राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 325
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 06 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 आम आदमी पार्टी ने उपराज्यपाल से पूछा सवाल, पिछले 10 दिनों में कितने थानों का निरीक्षण किए?
पेज 5 कानपुर हिंसा : हयात जफर समेत चारों आरोपियों को 14 दिन की जेल, जांच के लिए एसआईटी गठित
पेज 7 धमाकों से फिर दहली यूक्रेन की राजधानी कीव, रूसी सैनिकों ने पुलों और इमारतों को किया नष्ट

उत्तराखंड में 30 यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी

23 शव बरामद; मृतकों के परिवारों को 2 मिलेंगे लाख

शिवराज बोले- उत्तराखंड सीएम से बात की

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर कहा- उत्तराखंड में चारधाम की तीर्थयात्रा पर यमुनोत्री धाम जा रही बस के खाई में गिरने से मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के तीर्थयात्रियों की मृत्यु बेहद दुखद, पीड़ाजनक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को गहन दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। एक अन्य ट्वीट में शिवराज ने कहा- और मेरी टीम उत्तराखंड सरकार एवं स्थानीय जिला प्रशासन के सतत संपर्क में है। घायलों के इलाज और मृतकों के शव को मध्यप्रदेश लाने की व्यवस्था की जा रही है। दु:ख की इस घड़ी में परिवार स्वयं को अकेला ना समझे, हम सब शोकाकुल परिवारों के साथ हैं।

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तराकाशी में रविवार शाम मध्यप्रदेश के करीब 30 तीर्थयात्रियों से भरी बस खाई में गिर गई। 22 लोगों की मौत हो गई है और इनके शव भी मिल गए हैं। 6 गंभीर रूप से घायल हैं। सभी यात्री चारधाम यात्रा पर जा रहे थे। पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद है। NDRF की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपदा नियंत्रण कक्ष से रेस्क्यू ऑपरेशन पर नजर रख रहे हैं। बस का नंबर K- 04 1541 है और यह 28 सीटर है। बस हरिद्वार से चली थी। थानाध्यक्ष पुरोला अशोक कुमार ने कहा- 23 मृतकों के शव बरामद हो चुके हैं। पांच घायलों को पहले ही अस्पताल पहुंचाया जा चुका है। गहरी खाई और अंधेरे की वजह से शवों को सड़क तक पहुंचाने में दिक्कत हो रही है। अभी सिर्फ 2 शव ही सड़क तक पहुंचाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दफ्तर से किए गए ट्वीट में बताया गया है कि प्रत्येक मृतक के परिवार को 2 लाख, जबकि घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता मिलेगी। उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने कहा- सभी यात्री मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के बताए गए हैं। हादसे के बाद एम्बुलेंस के साथ मेडिकल की टीम भी मौके पर मौजूद है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा- NDRF की टीम बहुत जल्द ऑपरेशन का जिम्मा संभाल लेगी। यह कुछ ही देर में मौके पर पहुंच रही है।

अमित शाह ने जताया दुख

उत्तराखंड में बस हादसा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया है। अमित शाह ने कहा कि श्रद्धालुओं से भरी बस खाई में गिर गई। मैंने इस मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की है। राहत और बचाव कार्य जारी हैं।

ओडिशा में नई कैबिनेट की शपथ

चुनाव से 21 महीने पहले नवीन पटनायक ने बदल दी आधी कैबिनेट; महिला मंत्रियों की संख्या बढ़ी

भुवनेश्वर। ओडिशा में विधानसभा चुनाव से 21 महीने पहले मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आधी कैबिनेट बदल दी है। भुवनेश्वर के राजभवन में शपथ ग्रहण के दौरान 21 मंत्रियों ने शपथ ली, जिसमें 10 नए चेहरे थे। पिछले कैबिनेट में राज्यमंत्री रहे जगन्नाथ सरकार को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। ओडिशा में मार्च 2024 में विधानसभा का चुनाव होना है।

कैबिनेट में महिला चेहरे को तरजीह

नवीन पटनायक ने नई कैबिनेट में महिला चेहरे को जगह दी है। पिछली कैबिनेट में सिर्फ 3 महिला मंत्री को जगह दी गई थी, जबकि नई कैबिनेट में महिला कोटे से 5 मंत्रियों को जगह मिली है।

कैबिनेट विस्तार के बाद विभागों का बंटवारा होगा। 2019 में ओडिशा विधानसभा चुनाव के दौरान सबसे अधिक मार्जिन से जीतने वाली रीता साहु को भी मंत्री बनाया गया है।

केसरी और जेना जैसे कद्दावर मंत्री हटे

कैबिनेट विस्तार में पिछली सरकार में कद्दावर मंत्री रहे बिक्रम केसरी और प्रताप जेना को जगह नहीं मिली है। परफॉर्मेंस के आधार पर दोनों को हटाया गया है। केसरी के पास फॉरेस्ट और जेना पंचायती राज मंत्री थे। इसके अलावा हेल्थ मिनिस्टर रहे नबा किशोर दास को भी कैबिनेट में जगह नहीं मिली है।

2024 चुनाव पर है फोकस

माना जा रहा है कि पटनायक सरकार ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी को मजबूत बनाने के लिए कैबिनेट विस्तार किया है। पटनायक पिछले 22 साल से ओडिशा के मुख्यमंत्री हैं।

'धरती को बचाने का जश्न हर दिन मनाना होगा'

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि धरती का बदलता वातावरण बहुत बड़े खतरे की घंटी है, इसलिए इसकी रक्षा के लिए पर्यावरण दिवस पर ही नहीं, बल्कि हर दिन जश्न मनाना पड़ेगा।
उन्होंने कहा कि धरती पर जलवायु किस कदर बदल रही है और किस गंभीरता के साथ चुनौती बनकर हमें प्रभावित कर रही है।
इसका उदाहरण इस साल पड़ रही भीषण गर्मी है, जिसने हर इंसान का जीना मुश्किल कर दिया है।

गांधी ने ट्वीट किया, हमारे पास एक मात्र धरती है। अपने इस उपग्रह को बचाने तथा इसकी खुशहाली की बहाली के लिए आज और हर दिन इसकी सुरक्षा का जश्न मनाएं एवं इसकी रक्षा करने में मदद करें।विश्व पर्यावरण दिवस।
वाड्रा ने कहा, जलवायु परिवर्तन हमारी जिंदगी को किस तरह प्रभावित कर रहा है, इसका एक उदाहरण इस साल की भयानक गर्म हवाएं हैं।
इन गर्म हवाओं से किसानों, मछुआरों का नुकसान हुआ, जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, इसलिए बतौर प्राथमिकता प्रकृति के प्रति हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। विश्व पर्यावरण दिवस।

चारधाम यात्रा में एक महीने में 14 लाख श्रद्धालु पहुंचे

पैदल यात्रियों से पहली बार लगा जाम, सरकार बोली- बिना बुकिंग यात्रा से बचें

एजेंसी

देहरादून। चारधाम यात्रा में इस बार श्रद्धालुओं के पिछले सभी रिकॉर्ड टूटने जा रहे हैं। एक महीने में ही 14 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। 7 महीने चलने वाली इस यात्रा में 34 लाख श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड है, जो 2019 में बना था। उसके बाद कोरोना की वजह से दो साल तक सिर्फ सांकेतिक यात्रा हुई थी। यात्रा अक्टूबर तक चलती है।

पहली बार केदारनाथ धाम के रास्ते में पैदल चलने वाले यात्रियों का भी जाम लग रहा है।

बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा के रजिस्ट्रेशन के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। वहीं, कई लोगों को धामों पर ठहरने के लिए होटल या होमस्टे में बुकिंग नहीं मिल रही है।

प्रशासन पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि अगर कहीं ठहरने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है तो यात्रा करने से बचना चाहिए। ताकि कोई परेशानी न उठानी पड़े। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि इस बार यात्रियों का रिकॉर्ड टूटने की पूरी उम्मीद है।

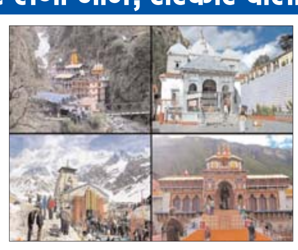

हजारों परिवारों के लिए बड़ी उम्मीद बनकर आई यात्रा, 30 हजार लोगों को काम मिला

ऋषिकेश से चारों धामों के लिए रोज हजारों वाहनों में करीब 50 हजार यात्री रवाना हो रहे हैं। इससे उन हजारों चेहरों की मुस्कान लौट आई है, जो दो साल से बेरोजगार थे। उत्तराखंड पर्यटन विभाग के अनुसार, यात्रा रूट पर 5 हजार से ज्यादा व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं। इनमें ढाबे, होटल, होम स्टे, डिपार्टमेंटल स्टोर, मैकेनिक आदि थे। कुल 30 हजार लोगों को रोजगार मिलता है।

जो पलायन कर गए थे, वे लौट आए

कोरोना के कारण दो साल में ये सब ठप था। कुछ परिवार पुश्तैनी गांव छोड़कर शहरों में मजदूरी करने चले गए थे। अब वे लौट आए हैं। देवप्रयाग से 20 किमी पहले कोड़ियाला में ढाबा चलाने वाली मृदला कुमारी बताती हैं, 'कोरोना से पिता की मौत हो गई। दो साल से ढाबा बंद था। अब मैंने इसे शुरू कर दिया है। यात्रा पर आने वाले लोगों की बढ़ती संख्या देखकर पांच लोगों का अतिरिक्त स्टाफ रखना पड़ा है।'

इसी तरह 4 साल पहले मुकेश नौटियाल ने कमेड़ा में 30 लाख का लोन लेकर रेस्त्रां खोला था। कोरोना से आमदनी शून्य हो गई। 12 लोगों का स्टाफ था, सभी की नौकरी चली गई थी। अब सभी लोगों को वापस बुला लिया गया है।

चारधाम रूट पर बसे कई गांव आबाद हो रहे हैं

चारधाम रूट पर ऐसे कई गांव हैं, जहां से पलायन जारी था। अब इन गांवों से गुजरती सड़कों पर ढाबे खुल गए हैं। रतूड़ा गांव में ढाबा चला रहे राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि वे दिल्ली के दिलशाद गार्डन में होटल में काम करते थे। अब गांव लौट आए हैं। अब लगता है शहर का रुख नहीं करना पड़ेगा। ऐसी ही कहानी मलेथा, व्यासी, कमेड़ा, नगरासू, घोलतीर आदि गांवों की भी है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस की बड़ी कामयाबी : हिजबुल कमांडर तालिब गिरफ्तार

डीजीपी दिलबाग बोले- टारगेट किलिंग में शामिल 47 मॉड्यूल तबाह किए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर तालिब हुसैन को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। 17 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस को जॉइंट ऑपरेशन में यह सफलता मिली। हिजबुल मुजाहिदीन ने किश्तवाड़ इलाके में नए सिरे से भर्ती करके अपने कैडर को फिर से संगठित करना और मजबूत करना शुरू कर दिया था।

बेंगलुरु में पहचान छिपाकर रहता था : डीजीपी दिलबाग

डीजीपी दिलबाग सिंह ने बताया कि तालिब किश्तवाड़ में काफी समय से एक्टिव था। वह आजकल बेंगलुरु में छिपा था। हमारी टीमें वहां गईं और इसे पकड़कर लाईं।
इसका पकड़ा जाना बड़ी कामयाबी इसलिए है क्योंकि राजौरी-पुंछ में यह आतंकी दोबारा सक्रिय होने लगा था।

तालिब के अरेस्ट होने के बाद वहां अमन रहेगा।
पिछले दिनों हुई टारगेट किलिंग की घटनाओं पर दिलबाग सिंह ने कहा- माहौल शांत हो रहा है, टारगेट किलिंग के पीछे जो लोग हैं उनकी पहचान हो चुकी है, उन पर कार्रवाई होनी है। जो आतंकी मॉड्यूल्स हैं उन पर कार्रवाई हो रही है। अब तक ऐसे 47 मॉड्यूल्स पर कार्रवाई की है। जो सिलेक्टिव किलिंग में शामिल थे, एक्टिवली शामिल थे उनमें से ज्यादातर मारे जा चुके हैं। जो कोर सेक्टर में थे जैसे वैपन पहुंचाना, वारदात के बाद बाइक पर भागने में मदद करना। साल के पिछले 5 महीनों के दौरान 47 मॉड्यूल तबाह किए हैं। इस तरह के और लोगों की पहचान जारी है उन पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खुलेआम हथियार लेकर घूमता था तालिब

5 बच्चों का पिता तालिब गुर्जर हिजबुल में शामिल होने के बाद अक्सर किश्तवाड़ जिले के मारवाह और दछन के ऊपरी इलाकों में हथियारों के साथ घूमते देखा जाता था। इसके साथ इलाके में सक्रिय कुछ अन्य आतंकवादी भी नजर आते थे। नागसेनी तहसील में राशगवारी के रहने वाले तालिब के परिवार ने कई बार पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया और तालिब को हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटाने के लिए मदद मांगी थी।

पैंगबर मोहम्मद पर टिप्पणी को लेकर भारतीय दूत तलब

एजेंसी

दोहा/नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के कतर दौरा के बीच भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारी के पैगंबर मोहम्मद पर विवादास्पद टिप्पणी के कारण कतर के विदेश मंत्रालय ने भारतीय दूत दीपक मित्तल को तलब किया। कतर के विदेश मंत्रालय ने भारतीय राजदूत दीपक मित्तल को तलब कर एक आधिकारिक पत्र सौंपा। पत्र में भारत में सत्तारूढ़ दल के एक पदाधिकारी के पैगंबर मोहम्मद और इस्लाम के खिलाफ की गई विवादास्पद टिप्पणियों की निंदा की गई। श्री मित्तल ने बताया कि यह ट्वीट किसी भी तरह से भारत सरकार के विचारों के नहीं हैं। कतर ने भारत में सत्तारूढ़ दल के बयान का स्वागत किया जिसमें पार्टी के पदाधिकारी को इन गतिविधियों के चलते निलंबित करने की घोषणा की गई। कतर भारत सरकार से सार्वजनिक माफी और इन टिप्पणियों की तत्काल निंदा की उम्मीद कर रहा है।

क्या कर्ज में डूब गई एक ही परिवार की 5 जिंदगियां?

समस्तीपुर में पति-पत्नी, दादी, 2 बच्चे फंदे से झूले; दादा ने भी किया था सुसाइड

समस्तीपुर। समस्तीपुर में एक ही परिवार के 5 लोगों की लाश घर के अंदर मिली है। सभी के शव के छत से लटके मिले। मौत के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। कुछ लोग इसे खुदकुशी बता रहे तो कुछ हत्या का शक जता रहे हैं।

मामला विद्यापति नगर थाना क्षेत्र के मऊ धनेशपुर दक्षिणी गांव का है। रविवार सुबह जब पड़ोसियों ने घर के अंदर देखा तो मामले का खुलासा हुआ।

इसके बाद आसपास के लोग वहां जुट गए। पुलिस को बुलाया गया। स्थानीय लोग परिवार के कर्ज में डूबे होने की बात भी कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

मौके पर पहुंच कर पुलिस छानबीन में जुटी गई। पुलिस ने पांचों शवों को नीचे उतरवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। DSP दिनेश कुमार पांडे ने बताया कि कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

हत्या और सुसाइड, पुलिस दोनों एंगल पर छानबीन कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

पति-पत्नी, दादी और 2 बच्चों की मौत

मरने वालों में 42 वर्षीय मनोज झा, उनकी पत्नी 38 वर्षीय सुंदरमणी देवी, मां 65 वर्षीय सीता देवी और मृतक मनोज का 10 वर्षीय पुत्र सत्यम और 7 वर्षीय पुत्र शिवम शामिल हैं। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की गिरफ्तारी करे।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा था परिवार

परिवार के 5 लोगों के फंदे से लटकी लाश को लेकर इलाके में कई तरह की चर्चा है।

ग्रामीणों का कहना है कि परिवार कर्ज में डूबा था। मनोज के ऊपर करीब 10 लाख का कर्ज था। यह रकम अलग-अलग जगह से ली गई थी।

2 बेटियों की शादी के लिए भी कर्ज लिए गए थे। उधार की रकम को वापस करने को लेकर मनोज पर दबाव बन रहा था। आर्थिक तंगी के कारण वे परेशान थे। परिवार ने समूह से भी कर्ज ले रखा था। पैसे वापस नहीं कर पाने के कारण परिवार के लोगों ने अपनी जिंदगी समाप्त कर ली।

पिता ने भी फांसी लगाकर दी थी जान

इसके पहले भी मनोज झा के पिता ने भी फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी।

बताया जाता है कि उन्होंने अपनी बड़ी पुत्री की शादी के लिए कर्ज लिए थे। कर्ज चुका नहीं कर पाने की स्थिति में उन्होंने अपनी जान दे दी थी। अभी उनके पुत्र ने भी अपनी बहन की शादी मंदिर में की थी।

कोविड-19

इस महीने यह दूसरा मौका है, जब नए संक्रमितों का आंकड़ा 4 हजार के पार गया है

बीते 24 घंटे में 4257 संक्रमित मिले, यह बीते 88 दिन में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। देश में कोरोना फिर डराने लगा है। बीते 24 घंटे में 4257 नए मरीजों की पहचान हुई है। यह आंकड़ा 8 मार्च के बाद सबसे ज्यादा है। तब 4575 केस आए थे। इस महीने यह दूसरा मौका है, जब नए संक्रमितों का आंकड़ा 4 हजार के पार गया है। इससे पहले 2 जून को देश में 4041 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

शनिवार को 15 संक्रमितों की मौत हुई, जबकि 2612 ठीक हो गए। अभी 22,691 का इलाज चल रहा है। महामारी के इस दौर में देश में 4.31 करोड़ लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 4.26 करोड़ ठीक हुए जबकि 5.24 लाख लोगों ने जान गंवाई।

फडणवीस कोरोना पॉजिटिव, आइसोलेट हुए

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर बताया वे कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। फडणवीस ने शनिवार को लातुर में एक विशाल रैली को संबोधित किया था, जिसके बाद उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

केरल में हर 100 जांचों पर 10 संक्रमित मिल रहे

संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले केरल में आ रहे हैं। यहां शनिवार को 1465 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। 7 मरीजों की मौत हुई, जबकि 667 ठीक हुए। अभी यहां 7427 एक्टिव केस हैं यानी इतने संक्रमितों का इलाज चल रहा है। राज्य में सबसे ज्यादा 9.87% पॉजिटिविटी रेट है यानी हर 100 जांचों पर करीब 10 लोग पॉजिटिव मिल रहे हैं।

नए मरीजों के मामले में महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर

देश में कोरोना मरीजों के मामले में अव्वल रहे महाराष्ट्र में फिर एक बार संक्रमण की रफ्तार तेज हुई है। यहां शनिवार को 1357 नए मरीज मिले, 595 ठीक हुए और एक संक्रमित की मौत हो गई। अब यहां 5888 एक्टिव केस हैं। बढ़ते केस को देखते हुए राज्या में फिर एक बार मास्क लगाना कंपलसरी कर दिया गया है।

दिल्ली में कोरोना कंट्रोल

दिल्ली में शनिवार को कोरोना के 405 केस आए। 384 लोग ठीक हो गए। गनीमत रही कि इस महामारी से कोई मौत नहीं हुई। अब यहां 1467 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। पिछले महीने दिल्ली में नए केस डेढ़ हजार से अधिक आने लगे थे। दिल्ली में अब तक 19 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। 26 हजार 212 ने जान गंवाई है। अभी राजधानी में पॉजिटिविटी रेट 2.07 प्रतिशत है।

शार्ट न्यूज

हज : कश्मीर से 145 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था सऊदी अरब के लिए रवाना

श्रीनगर। कोरोना महामारी के कारण दो साल के लंबे अंतराल के बाद अब श्रीनगर से 145 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था इस साल की हज यात्रा करने के लिए सऊदी अरब के लिए रवाना हुआ। हज समिति के सदस्य एजाज हुसैन ने राजस्व विभाग के सचिव विजय कुमार, भारतीय हज समिति के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डिप्टी सीईओ) जावेद अहमद और जम्मू-कश्मीर हज समिति के कार्यकारी अधिकारी के साथ 145 हज यात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से इस साल से कम 6,000 हज यात्री सऊदी अरब में हज के लिए जाएंगे। इनमें से 5,400 लोग कश्मीर घाटी तथा बाकी जम्मू के अलग-अलग हिस्सों और लद्दाख के लोग होंगे। अरब की सरकार द्वारा कोविड-19 प्रतिबंध हटाए जाने के बाद हज यात्रा इस साल फिर से शुरू हुई। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सऊदी अरब के लिए पहली उड़ान में कुल 145 हज यात्री सवार हुए। अब से 20 जून तक हज यात्रा के लिए श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से रोजाना दो से तीन उड़ानें संचालित होंगी।

जिलाधिकारी ने विश्व कराटे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

नैनीताल/चम्पावत। मिस्र में आयोजित होने वाली विश्व कराटे प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम में शामिल चंपावत के तीन खिलाड़ियों को जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि मिस्र में 10 जून से 12 जून के दौरान विश्व कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाली भारतीय टीम में चंपावत जिले के तीन खिलाड़ियों दीपक सिंह, साक्षी बिष्ट व जतिन जोशी का चयन किया गया है। जिलाधिकारी भंडारी ने तीनों खिलाड़ियों से जिला सभागार में मुलाकात की और जाने से पहले तीनों का हौसला बढ़ाया और कहा कि आप सभी ने लगन एवं मेहनत से इस मुकाम को हासिल किया है। आशा है कि अच्छी खेल भावना के बल पर आप सभी प्रतियोगिता में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे और दुनिया में देश व चंपावत जिले का नाम रोशन करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से तीनों खिलाड़ियों को इस मौके पर कराटे किट भी उपलब्ध करायी गयी और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का वादा किया गया।

चंपावत में मिनी मैराथन की अफवाह फैलाने वालों पर मामला दर्ज

नैनीताल। उत्तराखंड की चंपावत पुलिस ने मिनी मैराथन आयोजन की झूठी सूचना देने वाले आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से आज मिली अनुसार मिनी मैराथन की झूठी खबर के चलते चंपावत जनपद मुख्यालय के छतार में रविवार सुबह विभिन्न क्षेत्रों से आये 400 से 500 बच्चे एकत्र हो गये। इसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया और इस बात की तस्दीक की गयी। पुलिस को जांच में मिनी मैराथन की खबर झूठी निकली। जांच में पता चला कि किसी भी विभाग या संस्था की ओर से चंपावत जिला मुख्यालय में मिनी मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया गया है और इस मामले में झूठी खबर फैलायी गयी। यही नहीं मैराथन प्रतियोगिता जीतने वालों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार की बात कही गयी। पुलिस ने इसके बाद किसी तरह से बच्चों को वापस अपने अपने घरों को भेजा और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक देवेंन्द्र पिंचा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

आरएसएस को झूठा साबित करने के लिए कर्नाटक में भी हारेगी कांग्रेस : बोम्मई

हुबली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि कांग्रेस ने लगभग सभी राज्यों में अपनी ताकत खो दी है और अब कर्नाटक में भी हार जाएगी क्योंकि वह आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) को झूठा साबित करने की कोशिश में जुटी हुई है। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों को बताया,कांग्रेस आरएसएस को गलत बता रही है, लेकिन लोगों को सबकुछ पता है। आरएसएस एक ऐसा संगठन है जो देशभक्ति और लोगों की सेवा में लगा हुआ है। संगठन ने कई मुश्किल हालातों में लोगों की मदद की है। सभी जानते हैं कांग्रेस नेता और सिद्धारमैया आरएसएस के विरोधी हैं। इस रवैये के कारण कांग्रेस ने लगभग सभी राज्यों में अपनी सत्ता खो दी है और अब कर्नाटक में भी उसे हार का सामना करना पड़ सकता है।

स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर में विशेष अभियान समूह (एसओजी) और पुलभट्टा पुलिस ने संयुक्त अभियान चला कर उत्तर प्रदेश के दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ लाख रूपये मूल्य की स्मैक बरामद की है। उधमसिंह नगर पुलिस से आज मिली जानकारी के अनुसार जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के दौरान पुलिस को उत्तर प्रदेश से स्मैक की तस्करी की सूचना मिली थी। इसके बाद तस्करों को पकड़ने के लिये एसओजी और पुलिस की टीम को अलर्ट कर दिया गया। टीम ने शनिवार रात को पुलभट्टा रेलवे क्रासिंग के पास से दोनों तस्करों को दबोच लिया। साथ ही दोनों के पास से आठ लाख रूपये मूल्य की स्मैक भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुकेश कुमार कश्यप तथा मो0 शाहिद रूप में हुई हैं। आरोपियों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वे उत्तर प्रदेश के बहेड़ी से स्मैक खरीद कर लाये हैं और किच्छा, सिरॉली तथा रूद्रपुर क्षेत्र में उंचे दामों पर बेचने जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुडुचेरी में फ्रांसीसी नागरिकों ने अपने प्रतिनिधि के लिए किया मतदान

पुडुचेरी। पुडुचेरी में रह रहे फ्रांसीसी नागरिकों ने फ्रांस में पहले चरण के मतदान में अपने प्रतिनिधि के चुनाव के लिए रविवार को मतदान किया। उल्लेखनीय है कि फ्रांस में अप्रैल में हुए राष्ट्रपति चुनाव के बाद वहां की सरकार ने विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों को मतदान के जरिए देश के निचले सदन में उनका पक्ष रखने वाले प्रतिनिधियों को चुनने का अवसर प्रदान किया है। यहां स्थित फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास के सूत्रों के अनुसार पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल रह रहे कम से कम 4,463 पात्र फ्रांसीसी नागरिक मतदान के दूसरे चरण में 19 जून को मतपत्र, परिपत्र, मेल और इंटरनेट द्वारा फिर से अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान के लिए छह मतदान केंद्रों, पुडुचेरी में दो, कराईकल और चेन्नई में एक-एक मतदान केंद्र की व्यवस्था की गई। इस चुनाव में आठ राजनीतिक दलों के उम्मीदवार मैदान में है।

हरियाणा में कोरोना संक्रमण के 144 नये मामले,कोई मौत नहीं

चंडीगढ़। हरियाणा में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या में अब निरंतर कमी आ रही है। गुरुवार को इसके 144 नये मामले आये जिससे राज्य में कुल संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1003486 हो गई है, लेकिन राहत की बात यह रही कि गत 24 घंटों के दौरान इस जानलेवा वायरस से किसी की मौत नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के मुताबिक राज्य में अभी तक 991944 लोग इस वायरस के संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 के सक्रिय मामले इस समय 898 हैं। इस महामारी से राज्य में अब तक 10,621 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कोरोना संक्रमण की स्थिति को लेकर यहां जारी बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। राज्य में इस समय कोरोना संक्रमण दर 1.49 प्रतिशत, रिकवरी दर 98.86 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.06 फीसदी है। राज्य में अन्य जिलों की अपेक्षा गुरुग्राम में कोरोना संक्रमण के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं, जहां आज 104, फरीदाबाद में 20, हिसार तीन, सोनीपत दो, पंचकूला चार, अम्बाला, पानीपत, रोहतक, कुरूक्षेत्र एक-एक, सिरसा दो, भिवानी चार और झज्जर में कोरोना का एक मामला आया।

कानपुर हिंसा में नेताओं के बयान से बीजेपी ने पल्ला झाड़ा

बोली- पार्टी सभी धर्मों का सम्मान करती है

नई दिल्ली। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद विवाद को लेकर एक टीवी डिबेट के दौरान बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा की ओर से कथित तौर पर पैगंम्बर मोहम्मद को लेकर विवादित टिप्पणी करने के बाद बवाल खड़ा हो गया है। टिप्पणी के बाद शुक्रवार को कानपुर शहर के एक इलाके में तनाव पैदा हो गया। इस बीच रविवार को भारतीय जनता पार्टी ने ऐसे बयानों को लेकर पल्ला झाड़ लिया है। पार्टी ने कहा है कि बीजेपी सभी धर्मों का सम्मान करती है।

पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है %भारतीय जनता पार्टी सभी धर्मों का सम्मान करती है। पार्टी किसी भी धर्म के व्यक्ति के अपमान की कड़ी निंदा करती है।% हालांकि, पार्टी ने अपने बयानों में नूपुर शर्मा का जिक्र नहीं किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी बयान में कहा गया है भारत की हजारों सालों की यात्रा हर धर्म फले-फुले हैं। बीजेपी सर्वपंथ समभाव को मानती है। किसी भी धर्म के पूजनीयों का अपमान स्वीकार नहीं करती है।

सभी धर्मों का सम्मान करने की अपेक्षा

बयान में आगे कहा गया है कि बीजेपी ना ऐसे किसी विचार को मानती है और ना ही प्रोत्साहन देती है। देश के संविधान की भी भारत के प्रत्येक नागरिक से सभी धर्मों का सम्मान करने की अपेक्षा है। हमें देश की एकता, अखंडता और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी है।

टीवी डिबेट में की थी विवादित टिप्पणी

दरअसल, मंदिर-मस्जिद को लेकर छिड़े विवाद के बीच बीजेपी की प्रवक्ता नुपुर शर्मा न एक टीवी डिबेट में इस्लाम और उसके सिद्धांतों और इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर टिप्पणी की थी। नूपुर शर्मा के बयान के बाद बवाल खड़ा हो गया। कानपुर में झड़प हुई, तनाव पैदा हुए और भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ी।

हरियाणा को 2,366 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

पंचकूला/चंडीगढ़। हरियाणा की मेजबानी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 के चौथे संस्करण का शनिवार को विधिवत रूप से शानदार आगाज हुआ।

पंचकूला के ताऊ देवी लाल खेल परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस मौक पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा उनके मंत्रिमंडल सदस्य, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आज का दिन हरियाणा के लिए न केवल खेलों के नजरिए से खास रहा, बल्कि राज्य को 2,366 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात भी मिली। शाह और श्री खट्टर ने लगभग 997 करोड़ रुपये की लागत से यमुनानगर में बनने वाले गुरु तेग बहादुर साहिब राजकीय मेडिकल कॉलेज तथा लगभग 945 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय मेडिकल कॉलेज, कैथल का शिलान्यास किया।

इसके अलावा, उन्होंने फतेहाबाद जिले में 2,800 मेगावाट गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना के लिए जलापूर्ति चैनल प्रणाली के निर्माण की भी आधारशिला रखी। इस परियोजना पर लगभग 394 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस अवसर पर श्री खट्टर ने कहा कि 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' के मंत्र पर काम करते हुए केंद्र और राज्य सरकार दोनों ने नागरिकों के लिए कई स्वास्थ्य पहल की हैं। हमने प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की थी।

अब प्रदेश का कोई जिला ऐसा नहीं होगा, जहां मेडिकल कॉलेज न हो। वर्ष 2014 में जब राज्य में हमारी सरकार बनी थी तो उस समय एमबीबीएस की 750 सीटें थी और गत आठ वर्षों के दौरान नए मेडिकल कॉलेज खुलने से एमबीबीएस सीटें 1650 हो गई हैं और जब प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खुल जाएंगे तो यह सीटें 2,900 हो जाएंगी। इससे प्रदेश में डॉक्टरों की कमी नहीं रहेगी।

अल्पसंख्यकों की हत्याओं पर विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं : महबूबा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को आरोप लगाते हुए कहा कि कश्मीर में मुख्यधारा की पार्टियों को अल्पसंख्यकों की हत्याओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं गयी है।

उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में कश्मीर घाटी में लक्षित हत्याएं देखी गई और अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष लक्षित हमलों की श्रृंखला में 12 नागरिकों, जिनमें से अधिकतर अल्पसंख्यक, गैर स्थानीय तथा पंचायती राज संस्थानों के सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इन हमलों में 12 से अधिक गैर स्थानीय कार्यकर्ता भी घायल हुए। हत्याओं के विरोध में बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और जम्मू और कश्मीर के लोगों तथा राजनीतिक नेताओं ने इसकी निंदा की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा, विडंबना यह है कि हम कश्मीर में मुख्यधारा की पार्टियों को अल्पसंख्यकों की हत्याओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी गई।

रविवार को उन्होंने सवाल किया कि क्या जम्मू-कश्मीर में इसे सामान्य स्थिति को लेकर केन्द्र सरकार जिम्मेदार ठहराया सकता है।

कश्मीर की मुख्यधारा की पार्टियो को अल्पसंख्यकों की हत्या का विरोध करने की इजाजत नहीं दी गयी है ।

हैदराबाद बलात्कार मामले में एक और नाबालिग पकड़ा

हैदराबाद। हैदराबाद में नाबालिग लड़की के साथ गैंग रेप मामले में पुलिस ने रविवार को एक नाबालिग लड़के को पकड़ लिया है। इस बीच, तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने इस मामले के संबंध में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से दो दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

पुलिस इस मामले में अब तक 18 वर्षीय एक युवक और तीन अन्य किशोरों को पकड़ चुकी है। इसके अलावा पुलिस बलात्कार में शामिल एक अन्य आरोपी की तलाश कर रही है, जो फरार है। बलात्कार के आरोपियों में से एक प्रभावशाली नेता का बेटा बताया जा रहा है। ऐसे में विपक्षी भाजपा और कांग्रेस ने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर दबाव बढ़ा दिया है।

मामले में चौथी गिरफ्तारी

हैदराबाद के पश्चिम जोन के पुलिस उपायुक्त जोल डेविस ने कहा, इस मामले के तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के क्रम में जुबली हिल्स पुलिस ने आज यानी रविवार को एक अन्य किशोर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी किशोर को माननीय किशोर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ताकि उसे हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा सके।

पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, पांच आरोपियों में से एक वयस्क और तीन किशोरों को पकड़ लिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस ने तीन जून को कहा था कि किशोरी 28 मई को दिन के समय पार्टी के लिए किसी पब में गयी थी और तीन किशोरों समेत पांच लोगों ने एक कार में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया था।

राज्य ने दो दिन के भीतर मांगी रिपोर्ट

राज्यपाल सौंदरराजन के प्रेस सचिव ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राज्यपाल इस जघन्य घटना से बहुत दुखी हैं।

राज्यपाल के प्रेस सचिव ने कहा, इस जघन्य घटना पर गहरा दुख जताते हुए राज्यपाल ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को इस मामले पर दो दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

तेलंगाना में तेज हुई राजनीति

इस घटना को लेकर तेलंगाना में राजनीति भी तेज हो गई है और सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की सरकार को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी और कांग्रेस ने इस घटना की सीबीआई जांच कराने की मांग की है, ताकि निष्पक्ष जांच हो।

यूएपीए के तहत केवल सोने की तस्करी आतंकवादी कृत्य नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने 9 आरोपियों को दी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता को खतर पैदा किए बिना केवल सोने की तस्करी गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी कृत्य नहीं है।

जस्टिस मुक्ता गुप्ता और जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की बेंच ने असम से दिल्ली 83.621 किलोग्राम वजन के 500 सोने के बिस्कुट की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार नौ लोगों को शुक्रवार को जमानत दे दी। बेंच ने कहा कि यूएपीए के तहत आतंकवादी कृत्य की परिभाषा में संशोधन किए जाने के बावजूद इस कानून की धारा-15(1)(ए)(iiia) में सोना नहीं जोड़ा गया।

यह धारा तस्करी के जरिये भारत की वित्तीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाने का संदर्भ परिभाषित करती है जैसे उच्च गुणवत्ता की जाली भारतीय मुद्रा, सिक्का या अन्य सामग्री।

अदालत ने रेखांकित किया कि जाली मुद्रा या सिक्कों को रखना, इस्तेमाल करना, उत्पादन करना, हस्तांतरित करना गैर कानूनी है, लेकिन सोने का उत्पादन करना, रखना, इस्तेमाल आदि करना नहीं। यहां तक कि सोने का आयात प्रतिबंधित नहीं है, बल्कि उपयुक्त शुल्क का भुगतान करने की बंदिश है।

अदालत ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये का मुचलका जमा करने, फोन को हमेशा ऑन रखने और अगले छह महीने तक जांच अधिकारियों को अपने स्थान की लोकेशन शेयर करने का भी निर्देश दिया।

बेंच ने जमानत देते हुए याचिकर्ताओं को अपना पासपोर्ट जमा करने, बिना निचली अदालत की पूर्व अनुमति के देश नहीं छोड़ने और समय-समय अपने-अपने क्षेत्र के पुलिस थाने को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा वर्तमान मामले में आपराधिक साजिश की कथित कमीशन, आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने और आर्थिक सुरक्षा को खतरे में डालने और यूएपीए के तहत भारत की मौद्रिक स्थिरता को नुकसान पहुंचाने के लिए मामला दर्ज किया गया था।

अभियोजन पक्ष ने जमानत याचिका का इस आधार पर विरोध किया कि इस देश की आर्थिक स्थिरता को भंग करके आरोपियों द्वारा एक आतंकवादी कृत्य करने की एक बड़ी साजिश को अंजाम दिया गया था।

हरियाणा ने केंद्र से बीबीएमबी के नये नियम रद्द करने की मांग की : एआईपीईएफ

चंडीगढ़। ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने रविवार को कहा कि हरियाणा ने केंद्र से भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) के पूर्ण कालिक सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनाये गये नये नियम रद्द करने की मांग की है।

एआईपीईएफ के प्रवक्ता विनोद गुप्ता ने आज यहां जारी बयान में कहा कि बीबीएमबी में सदस्य सिंचाई में हरियाणा का स्थायी प्रतिनिधि था जो तराई क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता में घटत-बढ़त की सूरत में प्रदेश की जरूरतों व मुद्दों को समझता व सुलझाता था।

श्री गुप्ता ने बताया कि हरियाणा ने यह मुद्दा लगातार उठाया है और दिसंबर 2021 में शिमला में हुई उत्तरी ज़ोनल परिषद बैठक में भी उठाया था। इसके बाद 23 दिसंबर को ऊर्जा सचिव के साथ हुई वर्चुअल बैठक में भी मामला उठाया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने भी 27 दिसंबर को बोर्ड के अध्यक्ष, पूर्णकालिक सदस्यों – सदस्य ऊर्जा और सदस्य सिंचाई – की नियुक्ति के लिए देश के किसी हिस्से से चयन करने के नियमों का विरोध करते हुए केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण राज्य मंत्री को पत्र लिखा था।

श्री गुप्ता के अनुसार एआईपीईएफ का भी यही स्टैंड है कि चूंकि 1967 से सदस्य ऊर्जा पंजाब से और सदस्य सिंचाई हरियाणा से रहा है यह तार्किक भी है क्योंकि यह दो राज्य बीबीएमबी का अधिकतम खर्च भी उठाते हैं।

भाजपा का खरीद फरोख्त का षड़यंत्र होगा विफल : गहलोत

उदयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्यसभा चुनाव में विधायकों की खरीद फरोख्त के प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि हम सब एकजुट हैं और भाजपा के खरीद फरोख्त के चल रहे षड़यंत्र विफल हो जायेंगे। कांग्रेस एवं उसके समर्थित विधायकों को खरीद फरोख्त से बचाने के लिए यहां की जा रही बाड़ेबंदी के तहत उदयपुर पहुंचे श्री गहलोत ने आज मीडिया से यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले भी खरीद फरोख्त का षड़यंत्र किया था और इस समय भी जो षड़यंत्र है वह पूरी तरह विफल रहेगा। दस जून की शाम को सब सामने आ जायेगा और जो षड़यंत्र चल रहे है वे कोई काम नहीं आयेंगे। उन्होंने कहा कि जब कोई उद्योगपति आता है, क्यों आया है, संख्या बल नहीं हैं और भाजपा वोट कहां से लेगी। हमारे साथ जो एकजुट थे, संकट में साथ थे, वो कैसे उनका साथ देंगे। पता नहीं उनका भाजपा के आलाकमान और स्थानीय नेताओं के बीच क्या बात हुई होगी। उन्होंने कहा कि हमारा कुनबा एकजुट हैं और हम तीनों सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि जब सरकार संकट में थी और उस समय जिन विधायकों ने सरकार का साथ दिया, उनसे उम्मीद क्यों हैं। क्योंकि मीडिया के अंदर माहौल बनाया दिया गया। उन्होंने कहा कि विधायक की कोई समस्या होती है और अगर वह कहने के लिए मुझसे बात करे तो इसमें बुरी बात नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब गत विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस की 99 सीटें आई और बहुजन समाज पार्टी के विधायक कांग्रेस में इसलिए शामिल हुए कि सरकार मजबूत बने, इसके लिए उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय किया।

चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस की महिला पार्षद ने की आत्महत्या

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के चित्तौड़गढ नगर परिषद् की एक महिला पार्षद ने जहर सेवन कर आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी अनुसार शहर के सदर थाना क्षेत्र में वार्ड संख्या 28 की कांग्रेस पार्षद दीप्ती ने शनिवार दोपहर अपने मधुवन स्थित आवास पर सल्फास की गोलियां खा ली जिसे अचेतावस्था में जिला अस्पताल लाया गया जंहा देर रात उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। राज्य धरोहर संरक्षण प्रोन्नति प्राधिकरण अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत, नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा सहित अतिरिक्त जिला कलेक्टर गीतेश मालवीय तथा पुलिस अधिकारी भी अस्पताल पंहुचे लेकिन पार्षद के अचेतावस्था में होने के कारन बयान नहीं हो सके और बाद में उसने दम तोड़ दिया।

जम्मू-कश्मीर : सतवारी पुलिस स्टेशन में लगी भीषण आग

7 कारें और दर्जन भर से अधिक दोपहिया वाहन जल

श्रीनगर। जम्मू के सतवारी पुलिस थाना परिसर में शनिवार देर रात भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आकर सात कारें और एक दर्जन से अधिक दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। ये जब्त किए गए वाहन थे। अधिकारियों ने बताया कि आग उस खुले क्षेत्र में लगी जहां जब्त किए गए वाहन रखे थे।

शनिवार देर रात करीब एक बजकर 50 मिनट पर बिजली का तार टूटने के कारण वहां आग लगी। अधिकारियों ने बताया कि दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने आग पर काबू पाया और पुलिस थाने की इमारत को बचा लिया गया। दमकल व आपात विभाग के अधिकारी ने कहा कि सातें कारें और एक दर्जन से अधिक दोपहिया वाहन आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में रसायन के एक गोदाम में लगी आग को बुझाने के दौरान सांस लेने में समस्या होने पर पांच दमकलकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना शुक्रवार रात नौ बजकर 55 मिनट पर मिली, जिसके बाद दमकल की 10 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया।

अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने के अभियान के दौरान दिल्ली दमकल सेवा के पांच कर्मियों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

उन्हें फोर्टिस अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर में रेफर कर दिया गया।

दमकल विभाग के अधिकारी के मुताबिक, एक दमकलकर्मी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि अन्य का उपचार चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है।

प्रकृति संरक्षण के लिए सनातन दृष्टि पर आधारित पर्यावरण अनुकूल नीतियों की जरूरत : मिश्र

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने संतुलित विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रकृति संरक्षण की सनातन भारतीय दृष्टि पर आधारित पर्यावरण अनुकूल नीतियों के निर्माण पर बल दिया है।

श्री मिश्र आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माउंटआबू स्थित ज्ञान सरोवर में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा कल्प तरूह अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचभूत तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश को महत्व देने वाली भारतीय सनातन संस्कृति प्रकृति पूजक रही है, तो इसके मूल में पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने का वैज्ञानिक आधार है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विकास तभी सार्थक होता है, जब तक उससे पर्यावरण और पारिस्थितिकी संतुलन पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े। इसलिए हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय संकट का प्रमुख कारण प्रकृति से अपने आपको दूर कर पंचभूत तत्वों की उपेक्षा करना ही है। उन्होंने कहा कि प्रकृति की उपेक्षा कर विकास को गति देने के प्रयासों और उपभोक्तावाद ने प्राकृतिक और जैविक आपदाओं को बुलावा दिया है। राज्यपाल ने कहा कि अमृता देवी के नेतृत्व में खेजड़ली में पेड़ों के लिए हुआ बलिदान वृक्ष संस्कृति में समायी हमारी प्रकृति संरक्षण से जुड़ी सोच का सबसे बड़ा प्रमाण है।

उन्होंने जैव विविधता को नष्ट होने से बचाने और पर्यावरण में असंतुलन को दूर करने के लिए उपभोक्तावादी जीवन शैली को बदलने का सभी से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों और योजनाओं में अक्षय ऊर्जा, पर्यावरण सम्मत निर्माण कार्य, पेड़-पौधों और वनस्पतियों के संरक्षण की सोच को प्रमुखता दी जानी चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि हरेक व्यक्ति पेड़ लगाए और उसका संरक्षण करे।

शार्ट न्यूज

दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के द्वारा हरित उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नई दिल्ली। पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के द्वारा हरित उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय जी ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई द्यइस कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली स्कूलों के बेस्ट इको क्लब को सम्मानित किया गया द्य इस कार्यक्रम में बेस्ट इको क्लब में नवजीवन मॉडल स्कूल को भी सम्मानित किया गया द्य कार्यक्रम में बच्चों को दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के द्वारा एक – एक पौधा भी दिया गया तथा बच्चों को कहा गया कि बच्चे इस पौधे की देखभाल करेंगे तथा दिल्ली में हरियाली को बढ़ाएंगे द्य साथ ही साथ पर्यावरण को बचाने के लिए शपथ भी दिलाई गई द्यअवार्ड मिलने के बाद सभी अभिभावकों , अध्यापिकाओं में, बच्चों में खुशी की लहर है तथा यह विद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है द्य याद रहे कि इस वर्ष दिल्ली सरकार के द्वारा स्कूल को दूसरी बार सम्मान मिलने का अवसर प्राप्त हुआ है द्यहमारे विद्यालय में इको क्लब के अंतर्गत पर्यावरण को बचाने के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियों का और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें जैसे पृथ्वी बचाओ, पानी बचाओ अभियान , पेड़ बचाओ तथा कई वेबीनार का भी आयोजन किया गया द्य इसी वर्ष स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती अंजना दीक्षित को हिंदुस्तान स्काउट गाइड के द्वारा पौधे लगाने के लिए सम्मानित किया गया था

दिल्ली ने 17 दिन बाद झेली झुलसाने वाली लू, पारा 47 डिग्री के पार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में रविवार के दिन लू की स्थिति बनी रही। मुंगेशपुर में अधिकतम पारा 47 डिग्री से पार दर्ज किया गया। इस सीजन में यह 17वां दिन था जब दिल्ली वालों को लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ा हो। पिछले साल जून के इस समय एक दिन भी लू वाला नहीं रहा था। दिल्ली के लोगों को इस बार मार्च के महीने से ही भीषण गर्मियों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित अंतराल पर आने वाले पश्चिमी विक्षोभों की कमी के चलते इस बार दिल्ली के लोग ज्यादा लू के थपेड़े सह रहे हैं। रविवार के दिन दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में लू की स्थिति बनी रही। इस सीजन में लू की स्थिति वाला यह 17वां दिन है। मार्च के महीने में तीन दिन, अप्रैल के महीने में दस दिन और मई के महीने में चार दिन लू की स्थिति रही थी। जबकि, दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग के लिए जून के महीने में लू का यह पहला दिन है। खास बात यह है कि पिछले साल मार्च, अप्रैल, मई और जून के महीने में इस तारीख तक एक दिन भी ऐसा नहीं था जब लोगों को लू का सामना करना पड़ा हो। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में रविवार की सुबह से ही तेज चमकीला सूरज निकला रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तीखी और तेज हो गई। सुबह 9–10 बजे से ही धूप में लोगों का निकलना मुहाल होने लगा। दोपहर के समय लोगों को गर्म हवा के थपेड़ों का सामना करना पड़ा। दिल्ली की मानक वेधशाला में दिन का अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो कि सामान्य से चार डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम कितना शुष्क और गर्म है, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि यहां पर आर्द्रता का स्तर सिर्फ 58 से 14 फीसदी के बीच रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार के दिन भी लोगों को झुलसाने वाली लू का सामना करना पड़ेगा। इसके लिए मौसम विभाग की ओर से लू का अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार के दिन 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं भी चलेंगी। इसके चलते लोगों को ज्यादा भीषण लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, मंगलवार को तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आने का अनुमान जताया गया है।

क्या कश्मीर का मुद्दा सिर्फ वोटों का है, क्या है सरकार की प्राथमिकता?

पिछले कुछ समय से हम देख रहे है कि कैसे कश्मीर में आतंकियों द्वारा टार्गेट किलिंग की जा रही है। टार्गेट किलिंग में सेना के जवान भी शहीद हो रहे है, जम्मू कश्मीर पुलिस के जवान भी शहीद हो रहे है और आम कश्मीरी और प्रवासी कि भी जान जा रही है।

पिछले पाँच महीनों में 15 जवान शहीद हो चुके है और 18 नागरिकों की हत्या कर दी गई है आतंकियों के द्वारा।

कश्मीर घाटी कि ये पूरी परिस्थिति कुछ सवाल खड़े करती है। और उनके उत्तर के माध्यम से ही हम इस पूरे घटनाकर्म को समझ भी सकते है।

प्रशन 1: - ये टार्गेट किलिंग क्यों हो रही है?

उत्तर : – इन बढ़ती टार्गेट किलिंग के दो प्रमुख कारण है। पहला केंद्र सरकार का एतिहासिक कदम, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने आंतकियों के ठिकानों पर नियन्त्रण सर्च ऑपरेशन करके आंतकियों को मार गिराने का काम किया है। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से आंतकियों द्वारा सेना और पुलिस के जवानों पर हमला करना, उन्हें निशाना बनाना आंतकियों के लिए बहुत मुस्किल होता गया। जिसका परिणाम यह हुआ कि आतंकियों ने कश्मीरी नागरिकों, प्रवासी मजदूरों और घर लौटते और ऑफिस जाते कर्मचारियों, जवानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। जिससे कश्मीर घाटी में नागरिकों के बीच तनाव जैसी स्थिति बन सके और घाटी में 1990 के दशक जैसी अव्यवस्था को फैलाया जा सके।

इन बढ़ती टार्गेट किलिंग का दूसरा प्रमुख कारण है पाकिस्तान मे बढ़ती राजनीतिक और अर्थिक अस्थिरता। 3 जून को पाकिस्तान की सरकार ने तेल कि कीमतों में सीधे 30 रुपये का इजाफा किया। क्योंकी पाकिस्तान कि अर्थिक स्थिति भी श्रीलंका जैसे हालातों कि ओर तेजी से बढ़ रही है जिसके कारण पाकिस्तान की जनता त्रस्त है और वह विरोध कर रही है। वहीं दूसरे और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, वर्तमान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कि सरकार कि नीतियों के सबसे बड़े आलोचक हैं और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कि सरकार के ख़िलाफ़ मोर्चा खोले हुए है। क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जल्द से जल्द पाकिस्तान को चुनाव कि दिशा मे ले जाना चाहते है। इमरान खान के आलोचनात्मक

व्यवहार के कारण पाकिस्तान कि जनता पाकिस्तान कि सेना पर भी सवाल उठा रहे है। उन सभी सवालों से पाकिस्तान की जानता का ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तान की सेना कश्मीर में हथियारों को दाखिल कर रहीं है। ताकि कश्मीर में अव्यवस्था फैले और पाकिस्तान की अधिकांश जनता का ध्यान कश्मीर पर हो जाए।

प्रशन 2:- क्या कश्मीर में 1990 के दशक वाली स्थिति बन रही है। क्या हाल में हुई घटनाएँ 1990 सेअधिक चिंताजनक है ?

उत्तर :– टार्गेट किलिंग होने की वज़ह से कश्मीर में जो प्रवासी लोग काम कर रहे उनमे सबसे अधिक डर का माहौल है। जिसके कारण बहुत से लोग कश्मीर से पलायन करने की दिशा मे आगे बढ़ रहे है। और बहुत से सरकारी कर्मचारी अपना ट्रांसफर कश्मीर घाटी से जम्मू मे करवाना चाहते है। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 30–40 परिवार ऐसे है जो कश्मीर घाटी से पलायन कर चुके है।

फ़िलहाल जो ये घटनाक्रम कश्मीर मे हो रहा है। ये 1990 के दशक से भी ज्यादा चिंताजनक है। क्योंकि फिलहाल जितने भी हमले किए जा रहे है वो सभी hybrid terrorism के तरीके से किए जा रहे है। hybrid terrorism का मतलब है कि कोई ऐसा व्यक्ति जो सुरक्षा कर्मीयों कि टेरर लिस्ट में नहीं है, परन्तु वह व्यक्ति कट्टरवादी सोच का है और टार्गेट किलिंग कर के फिर आम कश्मीरी कि तरह सामान्य दिनचर्या में रहने लगता है। इस तरह के hybrid terrorists को सुरक्षा कर्मीयों द्वारा भी ढूंढना कठिन होता है। Hybrid terrorism के कारण ही वर्तमान मे हो रहै घटनाएँ 1990 के दशक से अधिक चिंताजनक है। क्योंकि समय के साथ अगर hybrid terrorism ने कश्मीर मे अपने पैर पसार लिए तो Idea of india कि बात करने वाले सभी कश्मीरी नागरिक आतंकियों के निशाने पर आने लगेंगे।

अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद, साल 2020 में जम्मू–कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर को आतंक मुक्त घोषित किया था और पिछले महीने ही केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह जी ने कहा था कि कश्मीर में दशकों पुराना आतंकवाद अब खत्म होने के अंतिम चरण में है। और इस अंतिम चरण ने ही देश वासियों को 1990 के दशक कि याद दिला दी। इसलिए फ़िलहाल हुई सभी टार्गेट किलिंग पर सरकार को अपनी स्पष्टीकरण: जरूर देना चाहिए। क्योंकि कश्मीर के विषय पर हमने देखा है किस तरह से वोट बटोरे जाते है। और चुनाव के बाद भी सभी कश्मीरियों कि स्थिति यथावत रहती है। वर्तमान मे देखा जाए तो कभी कभी लगता है कि सरकार कि प्रथमिकता मे काफी बदलाव हो चुका है। क्योंकि जब कश्मीर मे लगातार टार्गेट किलिंग हो रही थी और पिछले 20 से भी अधिक दिनों से धरने पर बैठे कश्मीरि राहुल भट्ट को इंसाफ़ दिलाने के लिए अपनी आवाज बुलंद कर रहे थे। उस समय सरकार फिल्म प्रीमियर में व्यस्त नजर आई। यह अत्यंत दुखदाई है। सरकार को जल्द से जल्द पाकिस्तान से आ रहे हथियारों पर रोक लगने का काम करना चाहिए। और idea of india के साथ जीने वाले सभी कश्मीरियों को एकजुट हो कश्मीर में deradicalisation के लिए काम करना चाहिए। तभी हम hybrid terrorism से लड़ सकेगें। इस पूरी प्रस्थिति के परिवेश में, हमें एक बात पर जरूर ध्यान देना चाहिए कि देश मे राजनीतिक जवाबदेही को सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है ताकि राजनीतिक प्रतिनिधियों से ठीक समय पर, ठीक सवाल जनता पूछ सके। राजनीतिक जवाबदेही से ही हम देश के तमाम विषय को ठीक दिशा, और उनका ठीक तरह से समाधान करने में सक्षम हो पाएगें। अन्यथा अधिकांस विषय वोट तक और राजनीतिक रोटियाँ सेकने तक रह जाएगे। जिसमें आम जनमानस ऐसे त्रस्त होता रहना। इसलिए हमारे लिए राजनीतिक जवाबदेही को सुनिश्चित करना और idea of india को बचाए रखना ही सर्वोपरि होना चाहिए।

आईआईएमसी का 54वां दीक्षांत समारोह आज

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह होंगे मुख्य अतिथि

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) का 54वां दीक्षांत समारोह सोमवार, 6 जून 2022 को आयोजित किया जाएगा। आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव एवं आईआईएमसी के चेयरमैन श्री अपूर्व चंद्रा भी समारोह में शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2020–21 बैच के विद्यार्थियों को पीजी डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किये जाएंगे।

प्रो. द्विवेदी के अनुसार दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आईआईएमसी, नई दिल्ली परिसर के महात्मा गांधी मंच में प्रात: 11:30 बजे

कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के समस्त क्षेत्रीय केंद्रों के निदेशक भी समारोह में हिस्सा लेंगे। दीक्षांत समारोह में लगभग 400 विद्यार्थियों को पीजी डिप्लोमा सर्टिफिकेट एवं 32 विद्यार्थियों को अवॉर्ड प्रदान किये जाएंगे।

प्रो. द्विवेदी के अनुसार दीक्षांत समारोह में आईआईएमसी के 6 परिसरों में संचालित होने वाले 8 पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट दिये

जाएंगे। ये परिसर नई दिल्ली, ढेंकनाल, आइजोल, अमरावती, कोट्टायम और जम्मू में हैं। आईआईएमसी हिंदी पत्रकारिता, अंग्रेजी पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, रेडियो एवं टेलीविजन, ओड़िया, मराठी, मलयालम और उर्दू पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस वर्ष आईआईएमसी डिजिटल मीडिया में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में आईआईएमसी ने मीडिया शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में जो नवाचार किए हैं, वह देश के अन्य मीडिया शिक्षण संस्थानों के लिए एक मिसाल हैं। यह आईआईएमसी के श्रेष्ठ प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम है कि देश की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं 'इंडिया टुडे', 'आउटलुक' और 'द वीक' के 'बेस्ट कॉलेज सर्वे 2021' में भारतीय जन संचार संस्थान को पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में देश का सर्वश्रेष्ठ मीडिया शिक्षण संस्थान घोषित किया गया है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर एवं संस्थान के चेयरमैन श्री अपूर्व चंद्रा के मार्गदर्शन और सहयोग से आईआईएमसी अकादमिक गुणवत्ता के मानकों को स्थापित करने में सफल रहा है।

अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कॉल सेंटर से जुड़े चार सदस्यों को गिरफ्तार भी किया है। ये लोग अमेरिकी नागरिकों को माइक्रोसॉफ्ट से तकनीकी सहायता प्रदान करने के बहाने धोखा देते थे। आरोपियों की पहचान शुभम (23), मोहित खन्ना (50), भूपिंदर सिंह (32) और राहुल मखीजा (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि 28 टेलीकॉलर्स को भी बंद कर दिया गया है। दिल्ली के बाहरी जिले के साइबर सेल थाने को 31 मई को रानी बाग क्षेत्र में चल रहे इस अवैध कॉल सेंटर की सूचना मिली थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी व्यक्ति माइक्रोसॉफ्ट सपोर्ट टीम के एक्जीक्यूटिव के रूप में प्रतिरूपण करके अमेरिकी नागरिकों के साथ बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी में शामिल थे। उन्होंने एक गैर–मौजूद समस्या को हल करने के लिए पैसे देने के लिए प्रेरित करके अपने लक्ष्यों को धोखा दिया। पुलिस उपायुक्त समीर शर्मा ने बताया कि कॉल सेंटर परिसर में रात के दौरान छापेमारी की गई, जहां दो अलग–अलग हॉल में महिलाओं सहित 25 से अधिक लोग कंप्यूटर से जुड़े पाए गए। अमेरिकी नागरिकों के साथ बात करने के लिए कंप्यूटर सेट और सहायक उपकरण स्थापित किए गए थे। ये टेलीकॉलर्स अमेरिकी नागरिकों को फर्जी नामों से कॉल करते थे ताकि वे खुद को यूएसए से माइक्रोसॉफ्ट सपोर्ट एग्जिक्यूटिव के रूप में प्रतिरूपित कर सकें। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 29 स्मार्टफोन, विभिन्न सीपीयू से 25 हार्ड डिस्क, दो लैपटॉप, एक डीवीआर, तीन राउटर और एक लोड बैलेंस राउटर बरामद किया गया है।

आम आदमी पार्टी ने उपराज्यपाल से पूछा सवाल, पिछले 10 दिनों में कितने थानों का निरीक्षण किए?

उपराज्यपाल की दिल्ली पुलिस के डीसीपी ने महिला पर हमला किया, लेकिन एलजी ने कोई बैठक नहीं बुलाई

नई दिल्ली। दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी ने उपराज्यपाल से सवाल किया है कि पिछले 10 दिनों में उन्होंने कितने थानों का निरीक्षण किया है? आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि उपराज्यपाल ने शपथ वाले दिन बोला था कि मैं दिल्ली की सड़कों पर रहूंगा। पिछले 10 दिनों में दिल्ली में दर्जनों गंभीर अपराध हुए हैं, उपराज्यपाल ने गंभीर अपराधों को लेकर पुलिस को क्या आदेश दिए हैं? उपराज्यपाल की दिल्ली पुलिस के डीसीपी ने महिला पर हमला किया है लेकिन एलजी ने कोई बैठक नहीं बुलाई है। जोर बाग मेट्रो स्टेशन पर लड़की के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट हुआ। क्या उपराज्यपाल ने मेट्रो का निरीक्षण किया? क्या वह दिल्ली पुलिस के साथ जोर बाग मेट्रो स्टेशन गए? उन्होंने कहा कि भाजपा शासित केंद्र सरकार ने उप राज्यपाल को निर्देश देकर भेजा है कि महिलाओं को सुरक्षा देना आपका काम नहीं बल्कि आपका काम केजरीवाल सरकार के काम में दखलंदाजी करना है। मोदी सरकार ने उपराज्यपाल को कहा है कि दिल्ली पुलिस से दूर रहिए। दिल्ली पुलिस को संभालना और कानून व्यवस्था को सुधारना आपका काम नहीं है।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने आज पार्टी मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। विधायक आतिशी ने कहा कि 26 मई को नए एलजी ने शपथ ली। उपराज्यपाल ने जिस दिन पद की शपथ ली तो कहा कि मैं एसी कमरे में बैठने वाला उपराज्यपाल नहीं हूं। मैं दिल्ली की सड़कों पर रहूंगा और वहां से काम करूंगा। उपराज्यपाल से पूछना चाहती हूं कि 26 मई से आज तक पिछले 10 दिनों में दिल्ली की कानून व्यवस्था, लॉ एंड ऑर्डर और दिल्ली की पुलिस को सुधारने के लिए आपने क्या किया है? एलजी बताएं

कि पिछले 10 दिनों में कितने पुलिस थानों का निरीक्षण किया है? गंभीर अपराधों को लेकर पुलिस वालों को क्या आदेश दिए हैं?

उन्होंने कहा कि 26 मई से आज तक दिल्ली में हुए बहुत बडे गंभीर अपराधों की लिस्ट है। 27 मई को एक 24 साल के ऑटो चालक की संगम विहार में चाकू मारकर मर्डर कर दिया गया, तो क्या उपराज्यपाल ने संगम विहार थाने का निरीक्षण किया? जब 27 मई को 19 साल के लड़के को श्री राम कॉलोनी में मार दिया गया, तो क्या उन्होंने श्री राम कॉलोनी के थाने का निरीक्षण किया। जब 29 मई को वजीराबाद में एक संभल से आए हुए व्यक्ति का मर्डर हुआ, तो क्या उन्होंने वजीराबाद थाने का निरीक्षण किया? जब दो भाइयों को अंबेडकरनगर के बार में लड़ाई में मार दिया गया, तो क्या उन्होंने अंबेडकर नगर थाने का निरीक्षण किया। क्या उन्होंने दिल्ली पुलिस को जमीन पर जाकर कोई निर्देश दिया? जब मधु विहार में चाकू मारकर एक व्यक्ति का मर्डर हुआ, तो क्या उपराज्यपाल मधु विहार गए? जब आदर्श नगर में पीट–पीटकर एक व्यक्ति की मार दिया गया तो क्या वह है आदर्श नगर थाने गए? जब जोर बाग के मेट्रो स्टेशन पर एक लड़की के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट हुआ, तो क्या उपराज्यपाल ने मेट्रो का निरीक्षण किया? क्या वह दिल्ली पुलिस के साथ जोर बाग मेट्रो स्टेशन गए? उप राज्यपाल बताएं कि पिछले 10 दिन में उन्होंने जो वादा किया था कि वह ऑफिस में नहीं बैठेंगे तो अब तक उन्होंने कितने पुलिस थानों का निरीक्षण किया है?

विधायक आतिशी ने कहा कि उपराज्यपाल साहब आपके पुलिस अधिकारी महिलाओं के साथ अभद्रता, हिंसा करते हुए पकड़े जा रहे हैं और आपको कोई चिंता नहीं है। दिल्ली में ऐसे लॉयन ऑर्डर को मेंटेन करेंगे। द्वारका के डीसीपी ने कैलाश कॉलोनी के रेस्टोरेंट में महिला पर गिलास फेंककर अभद्रता की और हमला किया। उस महिला को इलाज कराने के लिए मैक्स अस्पताल लेकर जाना पड़ता है।

ग्रेटर कैलाश थाने की जनरल डायरी की रिपोर्ट दिखाते हुए विधायक ने कहा कि महिला के पति ने शिकायत की कि एक पुलिस अफसर ने मेरी पत्नी के साथ अभद्रता की और उन पर गिलास फेंक कर हमला किया। उपराज्यपाल साहब यह दिल्ली की लॉयन ऑर्डर की स्थिति है। ऐसा लगता है कि आपको केंद्र सरकार ने यह कह कर भेजा है कि आप दिल्ली पुलिस से दूर रहिए। दिल्ली पुलिस को संभालना, ठीक करना, न्याय व्यवस्था को सुधारना आपका काम नहीं है। क्योंकि पिछले 10 दिनों में जहां जहां पर भी बड़े गंभीर अपराध हुए वहां पर आप नहीं दिखे हैं। एक पुलिस अधिकारी महिलाओं के साथ अभद्रता करता है लेकिन आपने पुलिस विभाग की? कोई बैठक नहीं बुलाई और ना ही कोई निर्देश दिया। महिलाओं की सुरक्षा करना पुलिस का काम है, ना कि महिलाओं से अभद्रता करना और उन पर हमला करना।

उपराज्यपाल साहब ऐसा लग रहा है कि आपको केंद्र सरकार ने निर्देश देकर भेजा है कि दिल्ली पुलिस के काम में दखलअंदाजी करना, लॉ एंड आर्डर ठीक करना और महिलाओं को सुरक्षा देना आपका काम नहीं है। केजरीवाल सरकार के काम में दखलअंदाजी करना आपका काम है। क्योंकि पिछले 10 दिनों में यही एक काम आप करते हुए नजर आए हैं।

भाजपा से कश्मीर नहीं संभलता : केजरीवाल

पाकिस्तान को हमारी चेतावनी है कि ज्यादा हिम्मत मत करो, कश्मीर हमारा है, हमारा था और हमारा ही रहेगा

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। कश्मीरी पंडितो की हत्या और पलायन के खिलाफ जंतर–मंतर पर आयोजित विशाल जन–आक्रोश रैली में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 30 साल में दो बार ऐसे मौक़े आए, जब कश्मीरी पंडितों को कश्मीर से पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा और इन दोनों ही बार कश्मीर में बीजेपी का शासन था। इसका मतलब ये कि भाजपा से कश्मीर नहीं संभलता है। उन्होंने देशवासियों की तरफ से चार मांगे रखते हुए कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार, देश के सामने कश्मीरी पंडितों और फौज के लोगों के नरसंहार को रोकने का अपना प्लान रखे। कश्मीरी पंडितों के साथ साइन किया गया बांड रद्द किया जाए। उनकी सारी शर्तें मांनी जाएं और सभी को सुरक्षा दी जाए। घाटी में कोई हत्या होने पर केंद्रीय गृहमंत्री उच्च स्तरीय बैठक बुलाते हैं। कितनी मीटिंग करेंगे? अब हर हिन्दुस्तानी एक्शन मांगता है। पाकिस्तान को हमारी चेतावनी है कि ज्यादा हिम्मत मत करो। कश्मीर हमारा है, हमारा था और हमारा ही रहेगा। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग की है। इससे पूरा देश बहुत गुस्से में और दुखी है। कश्मीरी पंडित सिर्फ सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा की सरकार सुरक्षा देने में पूरी तरह से नाकाम रही है।

कश्मीरी पंडितो की हत्या और पलायन के खिलाफ आज आम आदमी पार्टी ने जंतर–मंतर पर विशाल जन–आक्रोश रैली आयोजित कर भाजपा की केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस जन–आक्रोश रैली में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अलावा, 'आप' दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, वरिष्ठ नेता एवं डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा, पंजाब के मंत्री हरपाल चीमा और आम आदमी पार्टी के विधायक समेत बड़ी संख्या में पार्टी के वालेंटियर्स मौजूद रहे। सबसे पहले, 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत रैली में मौजूद सभी लोगों ने मारे गए कश्मीरी पंडितों की आत्म शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

पहले 1990 में कश्मीर से कश्मीरी पंडित पलायन किए थे और अब फिर वे कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं : अरविंद केजरीवाल

जन–आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कश्मीर के अंदर कश्मीरी पंडितों और कश्मीर में रह रहे हिन्दुओं को आतंकवादियों ने चुन–चुन कर टारगेट किलिंग की है। उससे पूरा देश बहुत गुस्से में है और बहुत चिंचित है व दुखी है। आज जंतर–मंतर पर दिल्ली के कोने–कोने से लोग आए हुए हैं। हम लोगों ने एक दिन पहले ही यह संदेश भेजा था कि आज कश्मीरी पंडितों के समर्थन में आक्रोश रैली की जाएगी। इतने कम समय में इतने लोग यहां एकत्र हुए हैं। इसी से यह जाहिर है कि किस तरह से एक–एक भारतवासी के मन में कश्मीर में जो चल रहा है, उसको लेकर गुस्सा और दुख है। कश्मीरी पंडितों को चुन–चुन कर मारा जा रहा है। आज फिर से कश्मीरी पंडित अपनी जन्मभूमि छोड़कर पलायन करने के लिए मजबूर हो गए हैं। इससे पहले 1990 में कश्मीर से पलायन किए थे और अब फिर से वे कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। जिंदगी में वही घटना बड़ी दुखद थी, बड़ी मुश्किल से हिम्मत जुटा कर कश्मीरी पंडित अपने घर कश्मीर लौटे थे कि दोबारा अपने मातृभूमि पर फिर से अपना घर बसाएंगे। लेकिन फिर से उन्हें मजबूर होकर अपना घर छोड़कर जाना पड़ रहा है।

नरसंहार के खिलाफ सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए भी कश्मीरी पंडितों को भाजपा की सरकार अनुमति नहीं दे रही है :अरविंद केजरीवाल

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया हम लोग बहुत सी वीडियो और तश्वीरें देख रहे हैं कि किस तरह से कश्मीर एयरपोर्ट पर लाइन लगी हुई है। किस तरह से ट्रकों के मालिकों के साथ मोल भाव करते नजर आ रहे हैं। जिसको जो साधन मिल रहा है, उससे वो कश्मीर छोड़कर जाने की कोशिश कर रहा है। जब उनका नर संहार हो रहा है और वो लोग चिंतित और दुखी है और जब वो लोग इसके विरोध में सड़क पर प्रदर्शन करते हैं, तो वहां की मौजूदा भाजपा सरकार उनको प्रदर्शन करने के लिए भी अनुमति नहीं देती है। उनकी कालोनियों के बाहर ताला लगा दिया जाता है। उनको उनकी कालोनियों के अंदर बंद कर दिया जाता है। यह किस तरह का बर्ताव है। ऐसे वक्त जब सरकारों को उनके साथ खड़ा होना चाहिए, ऐसे वक्त जब सारा देश उनके साथ खड़ा है। सरकार अगर अपने ही लोगों के साथ इस तरह से बर्ताव करेगी, तो आदमी का दुख दोगुना हो जाता है। आज भाजपा की सरकार से कश्मीरी पंडित सिर्फ एक ही चीज मांग रहे हैं। वो कह रहे हैं कि हमारी सुरक्षा का इंतजाम करो, जब हमें वापस कश्मीर में लेकर आए थे, तो आपने हमसे सुरक्षा देने का वादा किया था, आपको दोबारा पलायन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लेकिन भाजपा की सरकार कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा देने में पूरी तरह से नाकाम रही है। ऐसा लगता है कि 1990 का दौर वापस आ गया है। एक 1990 का दौर था, जब सारा देश कश्मीर को लेकर चिंतित था और एक आज का दौर है, जब सारा देश कश्मीर को लेकर चिंहित है।

बहुत हो गई मीटिंग, अब जमीन पर कुछ एक्शन करके दिखाओ, लोग मर रहे हैं : अरविंद केजरीवाल

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इनके पास कोई योजना नहीं है। जब भी घाटी में कोई हत्या होती है, तो मीडिया में आने लगता है कि केंद्रीय गृहमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। कितनी मीटिंग बुलाओगे, अब कश्मीर एक्शन मांगता है। अब हर हिन्दुस्तानी एक्शन मांगता हैं। तुम्हारी मीटिंग बहुत हो गई, तुम्हारे पास प्लान क्या है? वो प्लान देश को बताओ। कल भी मैं मीडिया में देख रहा था कि तीन घटें उच्च स्तरीय मीटिंग चली। तुम्हारी मीटिंग बहुत हो गई, अब जमीन पर कुछ एक्शन करके दिखाओ, लोग मर रहे हैं। हमारे कई सारे कश्मीरी पंडित और कश्मीरी हिन्दु भाई–बहन शहीद हो गए। जिसमें 5 अक्टूबर को माखन लाल बिंद्रू जी का कत्ल कर दिया गया। वे बहुत ही साहसी और हिम्मत वाले व्यक्ति थे। 1990 के दौर में भी माखन लाल जी कश्मीर छोड़कर नहीं गए। वो कश्मीर में ही बसे रहे। वो श्रीनगर में इकबाल पार्क चौक पर अपना मेडिकल स्टोर चलाते थे और बेहद लोकप्रिय थे। सबके सुख–दुख में साथ देते थे। कोई दवा कहीं भले न मिले, लेकिन उनके स्टोर में मिलती थी। आतंकवादियों ने उनका कत्ल कर दिया। 5 अक्टूबर को ही, भेलपूरी की रेहड़ी चलाने वाले विरेंद्र पासवान की गोली मारकर आतंकवादियों ने हत्या कर दी। सात अक्टूबर को शिक्षक सत्येंद्र कौर और दीपक चंद के स्कूल में घुसकर आतंकवादियों ने कत्ल कर दिया। 7 अक्टूबर को ही, कश्मीर में रेहड़ी पटरी चलाने वाले बिहार के रहने वाले अरविंद कुमार साहा का भी कत्ल कर दिया गया। 13 अप्रैल को ड्राइवर सुरेंद्र कुमार सिंह का कत्ल कर दिया गया। 12 मई को तहसीलदार कार्यालय में क्लर्क राहुल भट्ट का कत्ल कर दिया गया। 17 मई को रंजित सिंह का कत्ल कर दिया गया। 31 मई को शिक्षिका रजनी बाला का कत्ल कर दिया गया और 2 जून को बैंक मैनेजर विजय कुमार का कत्ल कर दिया गया। इसी दौरान कई सारे पुलिस कर्मचारी और सिक्युरिटी के लोग थे। इन लोगों ने अपनी जान की बाजी लगाकर इनकी रक्षा करने की कोशिश की थी, उनका भी कत्ल कर दिया गया। जिसमें गुलाम हसनदर, मुद्दस रहमत, सैफुल्लादीन कादरी, रियाज अहमद वो पुलिस कर्मचारी हैं, जो अपनी ड्यूटी करते हुए शहीद हो गए। इन सभी लोगों की आत्मा की शांति के लिए मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं।

भाजपा की सरकार से हाथ जोड़कर कहता हूं कि कश्मीर के साथ राजनीति मत करो, यह बहुत गलत होगा : अरविंद केजरीवाल

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज इतने लोगों के शहीद होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी और उनकी सरकार के पास इस कत्लेआम को रोकने के लिए और आतंकवादियों को रोकने के लिए किसी तरह की कोई योजना नहीं है। ये केवल मीटिंग करते जा रहे हैं। कश्मीर में भाजपा पूरी तरह से फेल हो चुकी है। ये न खुद कुछ कर पा रहे हैं और न किसी की सुनते हैं। पिछले 30 साल में दो बार ऐसे मौके आए, जब कश्मीर में भाजपा का शासन था और पिछले 30 साल में दो बार ऐसे मौके आए, जब कश्मीरी पंडित कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हुए।

संपादकीय

बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगा?

अपनी पीठ थपथपाने में महारत रखने वाली सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा आये दिन किसी न किसी मंच के माध्यम से भारतवासियों को यह जताने की कोशिश की जाती है कि 2014 के बाद से ही भारत ने अपनी विकास यात्रा तय करनी शुरू की है। कुछ चाटुकार क़िस्म के सत्ता समर्थक तो यहाँ तक कह चुके कि देश को सही मायने में स्वतंत्रता ही 2014 के बाद मिली है। ऐसा कहने वाले बेशर्म लोग यह भी नहीं सोचते कि उनके इस प्रकार के सत्ता की ख़ुशामद करने वाले बयानों से स्वतंत्रता संग्राम के लाखों शहीदों का कितना अपमान होता है। परन्तु विकास पथ पर कथित तौर पर आगे बढ़ने वाले उस वर्तमान भारत में जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को आये दिन ज़लील करने की कोशिश की जाती हो और उनके हत्यारे गोडसे को राष्ट्रभक्त बताया जाता हो, देश के उस पहले आतंकवादी गुणगान किया जाता हो व उसकी प्रतिमायें स्थापित की जाती हों,जहाँ प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा बनाये गये कई सरकारी संस्थानों को उन्हीं को गालियां दे देकर बेचा जा रहा हो वहाँ कुछ भी प्रचारित करना संभव है। जिन नेताओं को उनके दलों के लोग यशस्वी और पूजनीय कहते हुये नहीं थकते उन्हीं नेताओं की विदेशों में कितनी फ़ज़ीहत होती यह भक्तों व चाटुकारों को दिखाई नहीं देता। इन सावन के अंधों को केवल यही नज़र आता है कि यशस्वी डांकापति की लोकप्रियता के चलते पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। इन्हें न तो यह दिखाई दे रहा है कि कितनी विदेशी कम्पनियाँ भारत से बिदा हो चुकी हैं और हो रही हैं। इन्हें डॉलर की तुलना में रूपये की क़ीमत अभूतपूर्व तरीक़े से गिरने से कोई वास्ता नहीं, इनकी नज़रों में बढ़ती बेरोज़गारी और आसमान छूती मंहगाई कोई मायने नहीं रखती। अनेक बार यह भी देखा गया है कि तमाम प्रतिष्ठित विदेशी समाचार पत्र व पत्रिकायें अपने सम्पादकीय आलेख में इसी सरकार की कठोर शब्दों में आलोचना करती दिखाई दी हैं। विश्व प्रसिद्ध टाइम मैगज़ीन तो हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री को डिवाइडर इन चीफ़ की उपाधि देते हुये कवर स्टोरी के साथ पूरा आलेख प्रकाशित कर चुकी है। विदेश यात्राओं के दौरान कई बार इनके विरुद्ध छोटे बड़े अनेक प्रदर्शन होते रहे हैं। परन्तु हमारे देश का घुटना टेक मीडिया ख़ासकर टी वी चैनल्स मीडिया छवि निर्माण अभियान में मस्त होकर केवल यशस्वियों का यशगान करने में लगे रहते हैं। कबीर दास को आदर्श महापुरुष व महान आलोचक मानने वाले हमारे देश का मीडिया सत्ता की निंदा करना तो दूर आलोचनाओं से भी डरता और कतराता है। वह कबीर दास के इस आदर्श दोहे को भूल जाता है जिसमें उन्होंने फ़रमाया था कि – निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय, बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय। अर्थात्- जो हमारी निंदा करता है, उसे अपने अधिक से अधिक पास ही रखना चाहिए क्योंकि वह बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को साफ़ कर देता है। परन्तु आज की सत्ता निंदा करना तो दूर अपनी सही आलोचना भी पसंद नहीं करती। उसे केवल अपना %यशगान % करने वाले लोग व मीडिया चाहिये। परन्तु विदेशों में रहने वाले अनेक भारतीय व उनके समाजसेवी संगठन समय समय पर समाज विभाजक एजेंडा चलाने वाले ऐसे नेताओं का मुखर होकर विरोध करते रहते हैं। अभी पिछले दिनों भाजपा के युवा सांसद तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रमुख तेजस्वी सूर्या 31 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में आयोजित होने वाले ऑस्ट्रेलिया-इंडिया यूथ डॉयलॉग के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। बताया जाता है कि ऑस्ट्रेलिया-इंडिया यूथ डॉयलॉग भारत व आस्ट्रेलिया के युवाओं के मध्य संवाद बढ़ाने में सहायता करने वाला एक संगठन है जोकि हर दूसरे वर्ष भारत और ऑस्ट्रेलिया में एक सम्मेलन आयोजित करता है। इस सम्मेलन में दोनों देशों के शीर्ष प्रतिभावान पंद्रह पंद्रह चुनिंदा युवाओं को आमंत्रित किया जाता है जो दोनों देशों के युवाओं से परस्पर अपने विचारों को साझा करते हैं। भारत की तरफ़ से पंद्रह लोगों की सूची में युवा सांसद व भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या का नाम प्रमुख है।

भारत माता की मिट्टी में भारतीय संस्कारों की स्वर्णिम खान

विश्व में अगर माननीय संस्कारों, मानवीय मूल्यों, परोपकार, धार्मिक आस्था, करुणा, दया, दिल में रहम, जुबान नरम इत्यादि अनेक शब्दों से हम माननीय संस्कारों की व्याख्या कर सकते हैं जो भारत की मिट्टी में कूट-कूट कर भरी है। साथियों मेरा ऐसा मानना है कि भारत में जन्में व्यक्ति के अंदर दया दृष्टि, परोपकार, धार्मिक आस्था, सामाजिक सहयोग, इत्यादि अनेक गुण जरूर भरे होंगे। हालांकि इसके विपरीत बहुत कम प्रतिशत ऐसे लोग मिलेंगे। परंतु मैं विश्वास से कह सकता हूं कि उनमें भी बेसिक गुण आंतरिक रुप में रग रग में समाए हैं। बस जरूरत है उनका उपयोग करने की।

भारत में जन्मे मानव की अंतरात्मा कहीं ना कहीं, कभी ना कभी, भारतीय संस्कारों के मूल्यों को लेकर जागृत जरूर है या एहसास जरूर दिलाती है। उन विपरीत लोगों के दिल में कहीं ना कहीं कभी ना कभी जरूर आएगा कि हम गलत थे। बस यही प्रमाण मिल जाता है कि भारतीय मिट्टी में ही मानवीय संस्कारों की जड़ कूट-कूट कर भरी है। इसका जीता जागता उदाहरण हमने पिछले दो सालों में भारतीय संकटकालीन स्थिति कोरोना महामारी की पीक स्थिति में हमें देखने को मिली थी कि किस तरह अनेक सामाजिक संस्थाएं, पड़ोसी, अनजान शख्स, इस संकटकालीन स्थिति में एक दूसरे का साथ देकर मानवता का परिचय दे रहे थे। इस आपातकाल के समय में हर भारतीय नागरिक का यह कर्तव्य हो गया था और अभी वर्तमान समय में उन विपरीत परिस्थितियों से सीख लेकर दिमाग ठंडा, दिल में रहम, जुबा नरम, आंखों में शर्म, जैसे मानवीय मूल्यों को सजगता, संयमता, सुदृढ़ता, सक्रियता, संकल्प के रूप में, सकारात्मकता के साथ, एक अनिवार्य कड़ी के रूप में अपनाना मानवीय मूल्यों को सजग रखने के लिए अनिवार्य हो गया है।

साथियों आज हमारे पास अब अवसर है कि इन अनमोल मानवीय मूल्यों को अपने ऊपर हावी करें ताकि हमें भविष्य में इन माननीय मूल्यों का लाभ मिले। मानवीय जीवन में अनेक ऐसी विपरीत परिस्थितियां आती है जब काल रूपी विपत्तियां उस पर अटैक करती है, भविष्य में अगर किसी के ऊपर कोई निजी रूप से भी इस तरह के संकट की घड़ी आती है तो इन उपरोक्त मानवीय मूल्यों, संस्कारों, मंत्रों, के बल पर अपने निजी या व्यक्तिगत विपरीत परिस्थिति से जंग भी जीत सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दिमाग ठंडा, रखने की करें तो सारी विपरीत परिस्थितियों विपत्तियों, आपातकाल परेशानियों, से जंग जीतने का यह कारगर और सटीक मंत्र है। दूसरे शब्दों में गुस्सा विपरीत परिस्थितियों का यह खाद पानी है। स्वाभाविक रूप से ऐसी मुश्किलों में मानव को गुस्सा आता ही है और अपना आपा खो बैठता है जो उसके इस मंत्र से हारने का कारण बनता है। मेरा मानना है कि हर अपराध का बेसिक कारण गुस्सा है जिसमें मनुष्य अपने आपे से बाहर होकर कुछ कर बैठता है फिर पछतावा होता है।

साथियों बात अगर हम दिल में रहम, की करें तो यह मंत्र भारतीय मिट्टी ने ही हमको दिया है।दूसरे की विपत्तियां, परेशानियां देख कर हमारे मन में मानवता जगती है, जिसमें उन विपत्तियों में घिरे लोगों की सहायता करने का भाव उत्पन्न होता है, जो हम अभी कोरोना काल में देख रहे हैं कि आज हर भारतीय एक दूसरे की सहायता करने उमड़ पड़े हैं कोई औपचारिक रूप से, तो कोई अनऔपचारिक रूप से याने छिपे रूप से सहायता कर रहे हैं। अतः हर मानव के दिल में रहम का भाव पालना नितांत आवश्यक व जरूरी है।

साथियों बात अगर हम जुबा नरम, होने की करें तो यह मंत्र भी भारतीय मिट्टी से ही उत्पन्न संस्कारों से मिलता है मुंह से अल्फाज हमेशा मीठे निकालें, कटु अल्फाज हमेशा कटुता और दुश्मनी को बढ़ाने का काम करते हैं। जो कम से कम भारतीय तो कभी नहीं चाहेंगे।

आस्था की पवित्र नदियों को प्रदूषित होने से बचाना गम्भीर मुद्दा

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल

प्रकृति का अभिन्न अंग नदियाँ सदैव ही जीवनदायिनी रही हैं। नदियाँ अपने साथ बारिश का जल एकत्रित कर उसे भू- गर्भ में पहुंचाती हैं। एशिया में गंगा, ब्रह्मपुत्र, यमुना, आमूर, लेना, कावेरी, नर्बदा, सिंधु, यांगत्सी नदियाँ, अफ्रीका में नील, कांगो, नाइजर, जम्बेजी नदियाँ, उत्तरी अमेरिका में मिसिसिपी, हडसन, डेलावेयर, मैकेंजी नदियाँ, दक्षिणी अमेरिका में आमेजन नदी, यूरोप में वोल्गा, टेम्स एवं आस्ट्रेलिया में मररे डार्लिंग विश्व की प्रमुख नदियाँ हैं।

यह विडंबना ही है कि हमारी आस्था की पवित्र और संस्कृति से जुड़ी नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं। लोगों काफी समय से सीवर, औद्योगिक कचरा, पॉलीथिन आदि डाल रहे हैं जिस से आज भारत की नदियाँ दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित हो गई हैं। दिल्ली में यमुना, कानपुर में गंगा एवं मुम्बई में मीठी नदी अत्यंत प्रदूषित हैं। इन नदियों का पानी ही नहीं वरण आसपास की भूमि भी बंजर बनती जा रही है। इस से देश की अर्थव्यवस्था एवं नागरिकों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। एक तरफ नदियों को माता कह कर पूजा जाता है दूसरी ओर उनमें सीवर, कचरा और शव डाले जाते हैं। ऐसे में नदी को पूजने और पवित्र कहने का कोई अर्थ नहीं रह जाता। हम नदियों को प्रदूषित करने का कारक बनते हैं तो कर्मकांडों से हमें खुशी नहीं मिलने वाली।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल (सीपीसीबी) की रिपोर्ट के मुताबिक जीनदायिनी कही जाने वाली ये नदियां खुद खतरे में हैं। देश में 521 नदियों के पानी की मॉनिटरिंग करने वाले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक देश की 198 नदियां ही स्वच्छ हैं। इनमें अधिकांश छोटी नदियां हैं। जबकि बड़ी नदियों का पानी भयंकर प्रदूषण की जद में है। केवल198 नदियां स्वच्छ पाई गई, इनमें ज्यादातर दक्षिण-पूर्व भारत की नदियां हैं। नदियों की स्वच्छता के मामले में तो महाराष्ट्र का बहुत बुरा हाल है। यहां सिर्फ 7 नदियां ही स्वच्छ हैं जबकि 45 नदियों का पानी प्रदूषित है। गंगा सफाई के लिए मिले डेढ़ हजार करोड़ के बावजूद भी गंगा का हाल जस का तस बना हुआ है।

भारतीय जनजीवन में नदियों महत्व इसी से जाना जा सकता है कि धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक, व्यापारिक, पर्यटन, स्वास्थ्य, कृषि, शैक्षिक, औषधि, पर्यवरण और न जाने कितने क्षेत्र हैं जो हमारी नदियों से सीधे-सीधे जुडे हुए हैं। किसी भी अन्य सभ्यता से बहुत लंबे समय तक हमने नदियों को धर्म से जोड कर इन्हें स्वच्छ और पवित्र भी बनाए रखा।

नदियों का सामाजिक,आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व किसी प्रकार कम नहीं है। आध्यात्मिक स्तर पर माना जाता है कि पानी की स्वच्छ करने की शक्ति आंतरिक बाधाओं को दूर करने में सहायता करती है। जब हम नदी में डुबकी लगाते हैं तो पानी हमारे नकारात्मक विचारों को अवशोषित कर लेता है। जब ऋषि नदियों के किनारे तपस्या करते हैं तो नदी उन नकारात्मक विचारों से मुक्त हो जाती है और पानी पवित्र हो जाता है। नदी का पानी वह पवित्र मार्ग है जो पापियों को पवित्र पुरूषों और महिलाओं के साथ जोड़ता है और नदी के किनारे उन लोगों की आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाते हैं जो यहां ध्यान लगाते हैं।

पत्थरों, बजरी, जड़ी-बूटियों और पौधों को छूकर बहते पानी के कारण नदी के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुण बढ़ जाते हैं। उदाहरण के लिए गंगा नदी के निश्चित औषधीय गुण पहाड़ों की हिमालय श्रृंखला में पाई जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियो की उपस्थिति से बढ़ते हैं। इस तरह के पानी में लाभकारी रेडियोधर्मिता सूक्ष्म स्तर पर पाई जाती है। नदी के पानी में उपस्थित भौतिक गुणों को पवित्र बनाए रखना जिससे कि गहन आध्यात्मिक गुण प्रकट हो सकें एक गम्भीर मसला है।

नदियों से जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक स्वच्छ जल प्राप्त होता है यही कारण है कि अधिकांश प्राचीन सभ्यताएं एवं जनजातियाँ नदियों के समीप ही विकसित हुईं। भारत की प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता सिंधु नदी के पास विकसित हुई। सम्पूर्ण विश्व के बहुत बड़े भाग में पीने का पानी और घरेलू उपयोग के लिए पानी नदियों के द्वारा ही प्राप्त किया जाता है। आर्थिक दृष्टि से भी नदियाँ बहुत उपयोगी होती है क्योंकि उद्योगों के लिए आवश्यक जल नदियों से सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। कृषि के लिए सिंचाई हेतु आवश्यक पानी नदियों द्वारा प्रदान किया जाता है। नदियाँ खेती के लिए लाभदायक उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी का उत्तम स्त्रोत मानी जाती हैं। नदियां न केवल जल प्रदान करती है बल्कि घरेलू एवं उद्योगिक गंदे व अवशिष्ट पानी को अपने साथ बहाकर ले भी जाती है। बड़ी नदियों का उपयोग जल परिवहन के रूप में भी किया जा रहा है। नदियों में मत्स्य पालन से मछली के रूप मे खाद्य पदार्थ भी प्राप्त होते हैं। नदियों पर बांध बनाकर उनसे पन बिजलीघर बनने से बिजली प्राप्त होती है। पर्यटकों के लिए भी नदियों से कई मनोरंजन के साधन जैसे बोटिंग, रिवर राफ्टिंग और रिवर फ्रंट आदि से पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलता है।

हमारे भारत देश में नदियों की पूजा करने की परंपरा अर्वाचीन रही है। नदियों को देवी देवताओं के समक्ष माना जाता रहा है। अनेक नदियों को देवी स्वरूप मानकर उनकी पूजा करना हमारी संस्कृति का की परंपरा रही है। आज भी लगभग सभी नदियों को मां के रूप में सम्मान दिया जाता है। गंगा ही नहीं देश की दूसरी नदियों के प्रति भी हमारे मन में गहरी आस्था है। यह हमारे संस्कार का हिस्सा बन चुका है। देश की दूसरी नदियोँ को भी हम गंगा से कम महत्वपूर्ण नहीं मानते हैं। ऐसा माना जाता है कि नर्मदा माता को देखने से ही मनुष्य पवित्र हो जाता है। हर नदी की कोई न कोई अपनी गाथा है।

हिंदू धर्म में लोग जिस तरह आसमान में सप्त ऋषि के रूप में सात तारों को पूज्य मानते हैंए उसी तरह पृथ्वी पर सात नदियों को पवित्र मानते हैं। जिस प्रकारआसमान में ऋषि भारद्वाज, ऋषि वशिष्ठ, ऋषि विश्वामित्र, ऋषि गौतम, ऋषि अगत्स्य, ऋषि अत्रि एवं ऋषि जमदग्नि अपने भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए विराजमान हैं उसी तरह पृथ्वी पर सात नदियां गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा, कावेरी, शिप्रा एवं गोदावरी अपने भक्तों की सुख एवं समृद्धि का प्रतीक मानी जाती हैं। गंगा नदी को स्वर्ग लोक से पृथ्वी पर लाने के लिए राजा भगीरथ द्वारा भगवान महादेव के तप की पौराणिक कथा पूरे देश में लोकप्रिय है।

देश में नदियों के योगदान एवं महत्व का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि वाराणसी आज विश्व के प्राचीनतम नगर एवं प्राचीनतम जीवित सभ्यता के रूप में जाना जाता है और वाराणसी गंगा के तट पर बसा हुआ है। आज वाराणसी विश्व में धार्मिक, शैक्षिक, पर्यटन, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक नगर के रूप में प्रतिष्ठित है। इसके अलावा प्रयाग, अयोध्या, मथुरा, नासिक, उच्जैन, गुवाहाटी, गया, पटना आदि सभी प्रमुख प्राचीन शहर नदियों के किनारे ही बसे हुए हैं। इसी तरह दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, सूरत, हैदराबाद, मैसूर, हुबली आदि आधुनिक नगर भी नदियों के तट पर ही बसे हुए हैं।

स्पष्ट है कि भारत में प्राचीन काल से ही नदियों का अत्यधिक महत्व रहा है और आज भी बहुत हद तक हमारा जीवन नदियों पर निर्भर है। इनके प्रति सम्मान का भाव बनाए रखना इसलिए जरूरी है ताकि हम इनकी स्वच्छता और पवित्रता को चिरकाल तक बनाए रख सकें। इनका जल हमारे लिए उपयोगी हो सकेगा और हम लंबे समय तक इनका लाभ उठा सकेंगे। कहा जाता है कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के जहाज जब यात्रा के लिए चलते थे तो पीने के लिए गंगाजल लेकर चलते थे जो इंग्लैंड पहुंचकर भी खराब नहीं होता था। यात्रा के बाद बचे हुए पानी को भी फेंका नहीं जाता था। नाविक लोग अपने घर ले जाते थे तथा वह पानी पीने में उपयोग करते थे। ब्रिटिश सेना भी युद्ध के समय गंगाजल अपने साथ रखती थी जिससे कि घायल सिपाही के घाव को धोया जाता था। इससे घाव में इन्फेक्शन नहीं होता था। गंगा का जल आज भी हिंदू लोग अपने घरों में रखते हैं और कई जगहों पर हो गए प्रदूषण के बावजूद वह वर्षों तक खराब नहीं होता।

स्वतंत्रता के बाद से शुरू हुए अनियोजित विकास और दिशाहीन औद्योगीकरण ने नदियों को बहुत नुकसान पहुंचाया। इससे हमें सिर्फ सामाजिक ही नहीं आर्थिक क्षति भी उठानी पडी है। नदियों पर आधारित कृषि और पर्यटन आदि बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। नदियों के प्रदूषित होने के कारण भूमि भी प्रदूषण से प्रभावित होने लगी। इसका सीधा असर कृषि उपज की गुणवत्ता पर पडा। परिणामस्वरूप किसान एवं गांव के साथ - सबकी सेहत पर उलटा असर पडा।

तटीय क्षेत्रों में अनियोजित निर्माण ने नदियों के प्राकृतिक स्वरूप को खत्म ही कर दिया है। नदियों के तटीय क्षेत्र डूब की भूमि वेटलैंड आज अवैध निर्माण से भर गए हैं तथा वहां की आबादी नदियों को प्रदूषित कर रही है। नदियों का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक बढ गया है। कई नदियां तो विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। इसका सीधा असर प्राकृतिक संतुलन पर पड रहा है।

इन सभी समस्याओं से बचने के लिए हमें नदियों को प्रदूषणमुक्त करना होगा। इसके लिए हमें सबसे पहले नदियों के किनारों से नदियों के डूब के क्षेत्र सेए तथा वेटलैंड से अवैध बस्तियों तथा अवैध निर्माण को हटाना होगा।

मौन के क्षण 7 बातें देश-विदेश की

1997 में जब अमेरिका आई तो कुछ वर्ष घर की ज़िम्मेदारियों को सम्भालने और कुछ यहाँ के हिसाब से जीवन शैली को व्यवस्थित करने में निकल गये। फिर बच्चों एवं परिवार को प्राथमिकता देते हुए बैंक में पार्ट टाइम काम करना शुरू किया। जब बच्चे स्कूल जाने लगे तो सोचा कि बैंक की नौकरी छोड़कर विद्यालय में ही नौकरी कर ली जाए ताकि बच्चों के साथ सर्दी-गर्मी की छुट्टियों का आनंद उठाया जा सके और उन्हें इधर उधर डे केयर में भी नहीं छोड़ना पड़े। बात जब दिमाग़ में बैठ गई तो कुछ दिनों पश्चात् उसका क्रियान्वयन भी हो गया। चंद परीक्षाओं एवं साक्षात्कारों से सफलतापूर्वक गुजरने के बाद एक उच्च-माध्यमिक विद्यालय में पर्मानैंट सब्स्टिट्यूट टीचर की नौकरी सुनिश्चित हुई।

अमेरिका के इस उच्च माध्यमिक विद्यालय का समय था सुबह 9-15 से शाम 4-03 बजे तक। मेरी दृष्टि से किसी भी विषय की पढ़ाई में तन्मयता से जुटे रहने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा लम्बा समय। मेरे समय में भारत के सरकारी विद्यालय सात से साढ़े बारह या साढ़े बारह से छह बजे तक की पारी में चला करते थे।

ख़ैर, इस बात की मुझे ख़ुशी भी थी कि मुझे स्कूल में बहुत ज़्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी तो दूसरी तरफ़ दुख भी था कि कितने ही विषयों से मेरी जानकारी पूरी तरह अछूती रही।

विद्यालय में पहले दिन जाकर पता चला कि अमेरिका के सरकारी स्कूलों में दिन की शुरुआत किसी क्रिश्चियन भजन, गीत या प्रार्थना से नहीं होती बल्कि सिर्फ़ मौन के कुछ क्षणों से होती है।

मौन के इन क्षणों में आप जिसका ध्यान, चिंतन-मनन करना चाहें कर सकते हैं। विद्यालय के सभी कर्मचारी और विद्यार्थी इन क्षणों में शान्ति से बिना एक दूसरे पर ध्यान दिए अपने अपने इष्ट का सामूहिक रूप से ध्यान कर वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर देते हैं। मौन के इन क्षणों में कोई भगवान को अपने ख़ूबसूरत जीवन के लिए धन्यवाद प्रेषित कर रहा होता है तो कोई अपने दिन की अच्छी शुरुआत के लिए प्रार्थना। सम्भव है कुछ अपनी परेशानियों के लिए ईश्वर से झगड़ भी रहे हों लेकिन जो भी हो अमेरिका के सरकारी स्कूलों का धर्म निरपेक्ष और सभी धर्मों के प्रति समान आदर भाव का यह तरीक़ा मुझे बेहद पसंद आया।

दूसरी बात जो आप सबको शायद अजीब सी लगे वो ये कि यहाँ प्राइमरी से लेकर हाई स्कूल तक, विद्यार्थियों की कोई यूनिफ़ॉर्म राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नहीं की गई है। मतलब ये कि आपकी जो इच्छा हो आप वो पहन कर स्कूल आ सकते हैं। हाँ, अगर आपकी वेशभूषा बिलकुल ही सामाजिक दायरों के बाहर है तो आपको अलग से बुलाकर सचेत किया जा सकता है मगर आपको किसी नियत तरह के परिधान में आने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। इसका परिणाम यह है कि मैं स्कूल में टरबन पहने सिख बच्चों को भी देखती हूँ तो हिजाब या कभी कभी अबाया पहने मुस्लिम बच्चियों को भी। फटी जींस में आ रही लड़कियों को भी देखती हूँ तो लम्बे, घुंघराले बालों में हेयर बैंड या टोपी लगाए लड़कों को भी। ये कहना ग़लत नहीं होगा कि अमेरिका में फ़ैशन काफ़ी हद तक माध्यमिक, उच्च-माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर ही तय होता है।

हालाँकि विद्यालयों में यूनिफ़ॉर्म नहीं होने की बहुत सी समस्याएँ भी हैं लेकिन हाल ही में भारत में यूनिफ़ॉर्म को लेकर हुई वारदातों को देखकर लगता है कि अमेरिका जैसे विशाल बहुसांस्कृतिक, बहुधर्मी और विविधताओं से भरे देश में स्कूल यूनिफ़ॉर्म का ना होना ही शायद बेहतर विकल्प है।

जब अच्छे दिन नहीं रहे, तो बुरे दिन भी नहीं रहेंगे

एक अंधकारपूर्ण रात्रि में कोई व्यक्ति नदी तट से कूदकर आत्महत्या करने का विचार कर रहा था. वर्षा के दिन थे और नदी पूर्ण पर थी. आकाश में बादल घिरे थे और बीच-बीच में बिजली चमक रही थी. वह व्यक्ति उस देश का बहुत धनी व्यक्ति था, लेकिन अचानक घाटा लगा और उसकी सारी संपत्ति चली गई. उसके भाग्य का सूरज डूब गया था और उसके समक्ष अंधकार के अतिरिक्त और कोई भविष्य नहीं था. ऐसी स्थिति में उसने स्वयं को समाप्त करने का विचार कर लिया था. किंतु वह नदी में कूदने के लिए जैसे ही चट्टान के किनारे पर पहुंचने को हुआ कि किन्हीं दो बूढ़ी लेकिन मजबूत बांहों ने उसे रोक लिया. तभी बिजली चमकी और उसने देखा कि एक वृद्ध साधु उसे पकड़े हुए है. उस वृद्ध ने उससे इस निराशा का कारण पूछा और सारी कथा सुनकर वह हंसने लगा और बोला, तो तुम यह स्वीकार करते हो कि पहले तुम सुखी थे? वह व्यक्ति बोला, हां, मेरा भाग्य-सूर्य पूरे प्रकाश से चमक रहा था और अब सिवाय अंधकार के मेरे जीवन में और कुछ भी शेष नहीं है. वह वृद्ध फिर हंसने लगा और बोला, दिन के बाद रात्रि है और रात्रि के बाद दिन. जब दिन नहीं टिकता, तो रात्रि भी कैसे टिकेगी? परिवर्तन प्रकृति का नियम है. ठीक से सुन लो - जब अच्छे दिन नहीं रहे, तो बुरे दिन भी नहीं रहेंगे. और जो व्यक्ति इस सत्य को जान लेता है, वह सुख में सुखी नहीं होता और दुख में दुखी नहीं. उसका जीवन उस अडिग चट्टान की भांति हो जाता है, जो वर्षा और धूप में समान ही बनी रहती है. सुख और दुख को जो समभाव से ले, समझना कि उसने स्वयं को जान लिया. क्योंकि, स्वयं की पृथकता का बोध ही समभाव को जन्म देता है. सुख-दुख आते और जाते हैं, जो न आता है और न जाता है, वह है, स्वयं का अस्तित्व, इस अस्तित्व में ठहर जाना ही समत्व है.

"''विकास बनाम पर्यावरण"'

करुणा रघुवंशी ,भोपाल(मध्यप्रदेश)

आज 5 जून को पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है।बहुत ही खुशी की बात है कि एक दिन किसीके लिए भी कोई भी दिवस सुनिश्चित कर दो फिर उसे वर्ष भर खुद भी लूटो और और अपनी महत्वकांक्षा पूरी करने के लिए उस पर्यावरण को लूटने की खुली छूट दे दो।आज के परिपेक्ष्य में जिस तरह समस्त देश के सत्तासीन और आमजन पर्यावरण के प्रति उदासीन हैं तो उनमें से किसीको इसे मनाने का कोई अधिकार कैसे हो सकता है? ?क्योंकि पर्यावरण दिखावे का विषय नही जीवन का अविभाज्य हिस्सा है।जिस तरह भारत मे प्रत्येक प्रदेश की सरकार वन सम्पदा को माफियाओं और उधोगपतियों के हाथ खुलेआम लुटा रही तो आज,,इंदिरा गांधी जी और मनोहर परिकर साहब,,बहुत याद आते हैं जिनके कार्यकाल में बड़े बड़े प्रोजेक्ट सिर्फ इसलिए रुकवा दिए जाते थे कि उनसे वन संपदा नष्ट हो सकती थी।

कभी -कभी शब्द भावनाओं का साथ छोड़ देते क्योंकी समझ नही आता भारतवासियों पर गुस्सा करे या तरस खाये क्योंकि जिस भारतभूमि में वृक्षो ,नदियों ,गाय ,जीवो को पूजने की परंपरा वेदों में वर्णित है,जो हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा है उसकी ऐसी दुर्दशा शायद ही किसी देश में होगी,क्योंकि एक तो न हम किसीकी सुनना चाहते हैं न दूसरे देशों से कुछ सीखना चाहते हैं।आज देश के तमाम बड़े जँगल जो पूरे भारतवर्ष की जलवायु को निर्धारित करते हैं सरकारों ने उन्हें खुलेआम लूटने की छूट दे रखी है।चाहे बक्सवाहा मध्यप्रदेशहो,हषदेव छत्तीसगढ़ हो । देश के कश्मीर से लगाकर कन्याकुमारी तक के जंगलो की एकसमान व्यथा है,देश की तमाम बड़ी नदियों में जलराशि 45 से 50 प्रतिशत तक कम हो चुकी हैं क्योंकि इनकी सहायक नदियां लगभग खत्म हो चुकी हैं ,इनके प्राणक्षेत्र जो हरे भरे जँगल थे वो वन माफियाओं के और राजनीतिक पार्टियों के गठबंधन पर बलि चढ़ चुके है,रेत माफियाओं ने नदियों को खोखला कर दिया है तो उधोगपतियों ने भी इन जीवनदायिनी नदियों को जहरीला करने में कोई कसर नही छोड़ी है।

ऐसा लगता है देश मे वन संपदा को लूटने की होड़ मची है लेकिन जो सबसे बड़ी बिडम्बना है वह यह है कि आम आदमी सबकुछ देखते हुए क्यो चुप है ?क्योंकि ये लूटने वाले तो किसी और देश मे बस जाएंगे लेकिन आम जनता कहा जाएगी।हमे याद रखना चाहिए कि धर्मयुद्ध में दर्शक नही योद्धा बनना पड़ता है।विकास के नाम पर जो लूट चल रही है उसे चुपचाप देखने वालों को ही सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ेगा क्योंकि

समर शेष है, नही पाप का भागी केवल व्याध।

जो तटस्थ हैं समय लिखेगा ,उसके भी अपराध।।

महाभारत में चीरहरण दुर्योधन, दुशासन ने किया था किंतु मौन रहने की सजा भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे परमज्ञानी को भी मिली थी।

विकास के फर्जी सपनो के आधार पर दोनो हाथों से वन संपदा को बर्बाद किया जा रहा है कि वह दिन दूर नही की हमारी आने वाली पीढ़ियों को पीने का पानी भी नसीब नहीं होगा,हम जितना समझ पा रहे हैं या उससे ज्यादा सुन पा रहे हैं स्तिथि उससे कई गुना भयानक हैऔर इसमे शासन से ज्यादा दोषी प्रशासन हैं क्यो की योजना को धरातल पर लाने की जिम्मेदारी उन्ही की है और सबसे ज्यादा दोषी आम इंसान और उसका पर्यावरण के प्रति उदासीन रवैया है ,एक आम इंसान जँगल नही लगा सकता लेकिन एक पेड़ तो लगा सकता है, आप के सामने कटते पेड़ो को तो रोक सकता है ,नदियों को तो साफ कर सकता है यदि कुछ नही कर सकते तो कम से कम उनके साथ तो खड़े हो सकते है जो आपके जीवन के लिए इस पर्यावरण को बचाने के लिए अपना सर्वस्व लगाकर लड़ रहे हैं।लेकिन जिस देश ने ,,वसुदेव कुटुंकम्ब,,का मतलब दुनिया को सिखाया उसी देश मे निरीह वन्य जीव ,निसहाय जँगल रोज़ दम तोड़ रहे हैं लेकिन हमें अपनी छोटी छोटी सुख सुविधा और महत्वाकांक्षाओं से ज्यादा प्रेम है।

ये भी एक सोचने वाली बात है कि क्या हमारे देश में यूरोपीय देशों से भी ज्यादा विकास हो रहा है जिसके लिए नदियां, पर्वत,जँगल सबकुछ बर्बाद किया जा रहा है।

यूरोपीय देशों में हमसे केहजार गुना ज्यादा विकास है लेकिन उन्होंने विकास को ही प्रकृति से सम्बन्धित करके जोड़ दिया है, स्विट्जरलैंड जैसे देशों की अर्थव्यवस्था ही वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता पर कायम है, ऐसे कई देश है जहाँ करोड़ो रोजगार मात्र पर्यटन से मिल रहे हैं, और वह आजीवन मिलते हैं, हमारे देश की सरकार ने ये कभी भी सीखने की कोशिश नही की जिन प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करके विकास का ढोंग किया जा रहा है उन्हें सहेजकर भी करोड़ो रोजगार सदा के लिए उत्पन्न किये जा सकते हैं लेकिन उसके लिए ईमानदार इक्षशक्ति की आवश्यकता है जिसकी कमी शासन -प्रशासन और आमजन सभी मे विधमान है।

एक पेड़ को लगाते हुये social media पर फ़ोटो डालने या शुभकामनाएं देने से पर्यावरण नही बचेगा क्योंकि पर्यावरण का कोई दिवस नही होता बल्कि जिस दिन पर्यावरण(जँगल-नदियां-पशु पक्षि)नही होगा समस्त धरती का ही कोई दिवस नही होगा।

अतः यदि हम सचमुच पर्यावरण दिवस मना रहे है तो तन-मन-धन से पर्यावरण के प्रति ईमानदार रहे।भले ही जीवन में एक पौधा लगाए लेकिन उसको वृक्ष बनते तक पोषित करे ,नदियों की रक्षा करे,वन्य जीवों की रक्षा करे तभी ,,पर्यावरण दिवस,,सार्थक होगा।

मदर अर्थ, पृथ्वी!

मैं हूं सौरमंडल की सबसे सुंदर ग्रह,
जहां जीव जंतु का जीवन है संभव,
निवास करती है मुझ में अनगिनत प्रजातियां,
करती हूं मैं सभी प्रकार की पोषण की उपलब्धियां!

29 प्रतिशत भाग हे मेरा भूमि,
71 प्रतिशत भाग हे मेरा पानी,
हरे भरे मैदान, जंगल और पर्वत मालाएं, नदिया, समुंदर, बर्फ की चट्टाने मुझ में समाए,!

दिया तुमको जल, हवा और अन्न,
यह शुद्ध पवन और स्वच्छ वातावरण, सौंदर्य से भरा हुआ अनुकूल पर्यावरण, इसके बदले तुम क्यों फैला रहे मुझ में प्रदूषण?

मुझे कहते हो धरती मां और मदर अर्थ, हर समय मुझ में असंतुलन बना कर, कर रहे हो अनर्थ,
मुझसे ही तो होता है तुम्हारा लालन पोषण, तो फिर क्यों नहीं करते हो मेरा संरक्षण?

मुझ में है तुम सब का निवास,
स्वयं को और मुझे बचाने का करो प्रयास, मुझे फिर से स्वच्छ और हरी भरी बनाओ, जिम्मेदारी और जागरूकता को बढ़ाते जाओ!!

शार्ट न्यूज

ज्ञानवापी में जलाभिषेक को लेकर अनशन पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की बिगड़ी तबीयत, 3 किलो वजन घटा

वाराणसी। ज्ञानवापी में प्राप्त शिवलिंग जैसी आकृति की पूजा करने से रोके जाने पर अन्न और जल त्याग करने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का 24 घंटे में 3 किलो वजन घट गया है। रविवार को श्री विद्या मठ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अन्य जल त्याग करने से न सिर्फ उनका 3 किलो वजन घट गया है बल्कि शुगर लेवल भी 44 से कम हो गया है। उल्लेखनीय है कि ज्ञानवापी में प्रकट हुए आदि विशेश्वर के पूजा के लिए जाने का प्रयास करने पर प्रशासन द्वारा रोक दिए से क्षुब्ध स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शनिवार की सुबह 8:30 से अन्न जल त्याग दिया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का स्वास्थ निरन्तर गिरता जा रहा है। उनकी ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि 24 घंटे में उनका 3 किलो वजन घट गया है। सुगर लेवल 44 चला गया है। 40 से कम सुगर लेवल जाने पर खतरा उत्तपन्न हो जाता है। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि वह अपनी बात पर अटल हैं। ब्रह्मचारी हृदयानंद, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के स्वास्थ व शक्ति हेतु 1008 बार साष्टांग दंडवत प्रणाम कर रहे हैं। शक्ति प्रदान करने की कामना को लेकर आज सायं 4 बजे से हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी किया जायेगा।

वाराणसी में गंगा सतलुज एक्सप्रेस में बम की सूचना, कोचों में सघन चेकिंग

वाराणसी। वाराणसी में कैंट स्टेशन पर सीरियल बम धमाकों के आरोपित वलीउल्लाह के दोषी करार दिए जाने के दूसरे दिन रविवार किसी अज्ञात ने धनबाद-फिरोजपुर गंगा सतलुज एक्सप्रेस में बम होने की सूचना दे दी। ट्रेन कैंट स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर आते ही सुबह बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वाड के साथ जीआरपी और आरपीएफ पहुंची। सभी कोच की सघन चेकिंग की। सभी जगह सुरक्षित मिलने के बाद ट्रेन रवाना की गई। उधर अचानक सघन चेकिंग शुरू होते ही यात्रियों में भी सनसनी फैल गई।

जौनपुर : फरमाइशी डांस न करने पर दबंगों ने धुना, एक मरा, छह घायल

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के एक गांव में चल रही आर्केस्ट्रा में फरमाइशी गाने पर डांस न करने से नाराज दबंगों ने आयोजकों की इस कदर धुनाई कर दी कि एक की मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस के अनुसार शनिवार की देर रात सिकरारा थाना इलाके के बभनौली डिहवा गांव में आर्केस्ट्रा पर नाच गाने का प्रोग्राम चल रहा था। तभी कुछ दबंगों ने मनपसंद गाने पर डांस नहीं होने से नाराज होकर मारपीट शुरु कर दी, जिससे गंभीर रूप से घायल हुए आयोजक की जिला अस्पताल में मौत हो गई, जबकि 06 अन्य का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सिकरारा थाना इलाके के बभनौली डिहवा गांव निवासी अवकाश प्राप्त होमगार्ड इंद्रजीत बिंद (63) की पौत्री की शादी की शनिवार को सालगिरह की पार्टी में आर्केस्ट्रा पर नाच गाना चल रहा था। आधी रात के बाद लगभग साढ़े तीन बजे गांव के कुछ दबंग किस्म के लोग मनपसंद गीत पर कलाकारों से डांस करने की फरमाइश करने लगे। आरोप है कि वो अश्लील गीत की फरमाइश कर रहे थे। जिस पर आयोजक इंद्रजीत ने आर्केस्ट्रा बंद करा दी। इसको लेकर उनका और उनके परिजनों व रिश्तेदारों का आरोपियों से विवाद हो गया। आरोप है कि आरोपियों ने लाठी-डंडे और तलवार लेकर हमला बोल दिया। दबंगों ने घर में घुसकर परिजनों और रिश्तेदारों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में इंद्रजीत और उनकी पत्नी कलावती (58), उनका दामाद संतोष बिंद (35), राहुल बिंद (30), अजीत बिंद (18), शैलेन्द्र बिंद (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर सिकरारा थानाध्यक्ष विवेक तिवारी के साथ पहुंचे पुलिस दस्ते ने सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जहां चिकित्सकों ने घायल इंद्रजीत को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि दबंगों ने दर्जनभर वाहनों और टेंटहाउस की कुर्सियों को भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं रविवार सुबह से ही मौके पर सीओ सदर रणविजय सिंह और थानाध्यक्ष विवेक तिवारी भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ तैनात हैं। उन्होंने कहा कि नामजद 08 आरोपियों में से 06 को गिरफ्तार कर लिया गया है, बाकी की तलाश जारी है।

फर्रुखाबाद में गैस भरे टैंकर में लगी आग

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में रविवार को इटावा बरेली हाईवे पर करीब 17 टन गैस भरे टैंकर में आग लगने से अफरातफरी मच गयी और वहां से गुजर रहे वाहनों के चक्के जस के तस थम गए। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र के ग्राम नन्दगांव के सामने करीब सुबह सात बजे गुजर रहा था कि तभी अचानक गैस भरे ट्रक टैंकर के इंजन में अचानक आग की तेज लपटें उठी। चालक ने अग्निशमन यंत्र से आग को बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग नहीं बुझी। इधर समीपवर्ती गांव के ग्रामीण मौके पर आए वह भी आग बुझाने में जुट गए तथा पुलिस व फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। इसके साथ ही समीपवर्ती गैसिंगपुर गैस प्लाण्ट के सेफ्टी इंचार्ज अपनी टीम के साथ टैंकर में लगी आग वाले घटनास्थल पर पहुॅचे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम व जिला मुख्यालय फतेहगढ़ की दो दमकल की गाड़िया फायर बिग्रेड के साथ मौके पर पहुॅची और करीब पौन घण्टे की मशक्कत करके आग पर काबू पाया।

पर्यावरण दिवस पर गोरखनाथ मंदिर में योगी ने किया पौधरोपण

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गोरखपुर में स्थित गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में हरिशंकरी, पीपल, बरगद व पाकड़ के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके साथ ही गोरखपुर जिले की 1294 ग्राम पंचायतों एवं प्रदेश के सभी जिलों की ग्राम पंचायतों में हरिशंकरी पौधरोपण की शुरूआत हो गई। गौरतलब है कि आज, पांच जून को मुख्यमंत्री योगी का 50वां जन्मदिन भी है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन की व्यस्ताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में हरिशंकरी पौधरोपण किया। हरिशंकरी पौधरोपण में एक ही थाले में एक साथ पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधों को लगाया जाता है।

कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिये पंचायते लगाये वृक्ष : गिरिराज सिंह

लखनऊ। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार हर साल पंचायतो को सम्मानित करती है मगर इस बार जीरो कार्बन फुटप्रिंट पर आधारित पंचायत को प्रथम अवार्ड दिया जायेगा। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कांफ्रेंस आफ पंचायत-2022कार्यक्रम में श्री सिंह ने पंचायतों से अनुरोध किया कि सरकार प्रति वर्ष उन्हें सम्मानित करती है, लेकिन अब प्रथम अवार्ड उसे दिया जाएगा, जो पंचायत जीरो कार्बन फुटप्रिंट पर आधारित होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीओपी 2022 सम्मेलन में दुनिया को भारत का सूत्र पंचामृत देने का काम किया है। पहला- भारत, 2030 तक अपनी जीवाश्म रहित ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाएगा। दूसरा- भारत, 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा ज़रूरतें, रीन्यूएबल एनर्जी से पूरी करेगा। तीसरा- भारत अब से लेकर 2030 तक के कुल प्रोजेक्टेड कार्बन एमिशन में एक अरब टन की कमी करेगा। चौथा- 2030 तक भारत, अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन इंटेन्सिटी को 45 प्रतिशत से भी कम करेगा और पाँचवाँ- वर्ष 2070 तक भारत, नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करेगा। सिंह ने कहा कि विकसित देशों ने जितना प्रकृति का दोहन किया है, विकासशील देशों ने उसका 5 प्रतिशत भी दोहन नहीं किया है। आज हमें थर्मल एनर्जी के भरोसे रहने की कोई जरूरत नहीं है। इसीलिए हमारी सरकार ने तय किया है रिन्यूबल एनर्जी को प्राथमिकता देना है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संत कबीर की समाधि और मजार का किया दर्शन

संतकबीरनगर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रविवार की सुबह 9.35 बजे मगहर पहुंचे। राष्ट्रपति ने समाधि और मजार का दर्शन किया। इसके बाद परिसर में पौधरोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस का शुभारंभ किया। इसके बाद कबीर के दोहे सुने।

मथुरा से आये कलाकारों के नृत्य को भी महामहिम ने देखा। कबीर गुफा का भी महामहिम ने दर्शन किया। इससे पहले उनका हेलीपैड पर स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डीएम दिव्या मित्तल और एसपी सोनम कुमार ने किया। स्वागत के बाद महामहिम सीधे सन्त कबीर की निर्वाण स्थली पहुंचे।

गोरखनाथ का भी किया दर्शन-पूजन

वहीं इससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर पहुंच कर. अपनी देश की प्रथम महिला सविता कोविंद के साथ गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया। नाथ पंथ की इस पीठ पर पधारे राष्ट्रपति का गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में अभूतपूर्व स्वागत हुआ। राष्ट्रपति ने गोरखनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के बाद गोशाला जा कर गोसेवा की। मुख्यमंत्री की तरफ से आयोजित जलपान में शामिल हुए। राष्ट्रपति के साथ प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी उपस्थित रहीं।

वैदिक मंत्रोच्चार के गूंज उठा मंदिर परिसर

101 वेदपाठी विद्यार्थियों के उच्चारित वेदमंत्रों की गूंज के बीच राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य मंदिर में शिवावतारी गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा समक्ष पहुंचे और श्रद्धावनत होकर दर्शन किया। यहां राष्ट्रपति के साथ गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के आचार्य एवं प्रधान पुरोहित आचार्य रामानुज त्रिपाठी एवं उनकी टीम ने विधि विधान से पूजन की प्रक्रिया संपन्न कराई। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के उपरांत राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ब्राह्लीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की समाधि पर पहुंचे। उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मंदिर की गोशाला में राष्ट्रपति ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर आगमन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मंदिर की गोशाला भी पहुंचे।

यहां उन्होंने गोसेवा करते हुए गायों को गुड़ रोटी व हरा चारा खिलाया। गोवंश के बीच कुछ मिनट व्यतीत करते हुए राष्ट्रपति बेहद प्रसन्न नजर आ रहे थे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री से गोशाला के बारे में जानकारियां लीं।

170 विशिष्ट जनों से एक-एक करके मिले राष्ट्रपति

मंदिर की गोशाला का भ्रमण करने के बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मंदिर परिसर स्थित ब्राह्लीन महंत दिग्विजय नाथ स्मृति सभागार पहुंचे। यहां उनके सम्मान में मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की तरफ से जलपान का कार्यक्रम था।

कार्यक्रम में समाज के 170 अति विशिष्टजनों आमंत्रित थे। राष्ट्रपति एक-एक करके इन सभी विशिष्टजनों से मिले और उनसे परिचय प्राप्त किया।

कानपुर हिंसा के बाद बरेली में 3 जुलाई तक लगा धारा 144

मुस्लिम धर्मगुरु ने दी है बड़े प्रदर्शन की चेतावनी

बरेली। भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी को लेकर कानपुर में बवाल के बाद अब शासन की निगाहें बरेली पर टिकी हुई हैं। बरेली को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। खासकर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के ऐलान के बाद इंटेलीजेंस एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पल पल की रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। मौलाना से बातचीत के प्रयास किये जा रहे हैं। धरना प्रदर्शन का ऐलान बातचीत से वापस हो जाये तो ठीक नहीं तो सख्ती से निपटने की तैयारी है। आईएमसी अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खां ने 10 जून को शहर के इस्लामियां कालेज मैदान में धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पैगंबर ए इस्लाम की

शान में गुस्ताखी करने वाली भाजपा की प्रवक्ता नुपुर शर्मा की गिरफ्तार हो जाती है तो वह धरना-प्रदर्शन का ऐलान वापस ले लेंगे। गिरफ्तारी न होने पर वह कॉलेज मैदान पर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने मस्जिदों से ऐलान करवाकर भारी संख्या में कॉलेज मैदान पर जुटने की अपील की है। शनिवार को डीएम के धारा 144 लागू करते ही धरना-प्रदर्शन से सख्ती से निपटने के संकेत मिल गये हैं। धारा तीन जुलाई तक लागू रहेगी जबकि प्रदर्शन दस मार्च को है। शुक्रवार रात को वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने बरेली के अफसरों से सीधी बात की। अधिकारी बात कर मौलाना से प्रदर्शन टालने की कवायद में जुटे हैं। शनिवार रात तक अफसरों को सफलता नहीं मिली है।

कानपुर जिले के बेकनगंज क्षेत्र में शुक्रवार को दो पक्षों के बीच हुई सा में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। कानपुर हिंसा की साजिश किन-किन लोगों ने रची है, इसको लेकर भी पुलिस छानबीन कर रही है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता हयात हाशमी समेत अब तक 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक 36 लोगों की पहचान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य संदिग्धों की पहचान की जा रही है। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस संदिग्धों के मंसूबों की जांच कर रही है। अब तक की जांच से स्पष्ट हुआ है कि कुछ लोगों ने हिंसा भड़काने की कोशिश की।

पर्यावरण संरक्षण सामूहिक के साथ व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी: मनोज पांडेय

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी स्थित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (बीयू) के कुलपति प्रो डॉ मनोज पांडेय ने प्रकृति संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास किये जाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए इसे सामूहिक के साथ साथ व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी बताया।

विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय, आईसीसीआर एवं सेंट्रल एग्रोफोरेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण दिवस 2022 के उपलक्ष्य में गांधी सभागार में आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी होने के साथ ही व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए संस्थागत संस्थानों के द्वारा किए जा रहे प्रयासों के अतिरिक्त हमें व्यक्तिगत प्रयास करने की भी आवश्यकता है। जैसे किसी नये पेड़ को लगाने की के साथ साथ किसी मृत होते पेड़ को हम जीवन प्रदान करें यह अधिक से श्रेयकर है।

इधर हाल ही के वर्षों में देखने को आया है कि सभी जगह का तापमान बढ़ रहा है।

इसका प्रमुख कारण है कि हम प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर नहीं चल रहे हैं। अभी भी समय है हमें भौतिकवादी उपभोक्तावाद से इति कर, पर्यावरण का अनुसरण करना चाहिए। जिस प्रकार से हम अपने शरीर की देखभाल करते हैं वैसे ही हमें पृथ्वी की भी देखभाल करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित विभिन्न नेताओं ने दी योगी को जन्मदिन की बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और बसपा अध्यक्ष मायावती के अलावा विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने रविवार को जन्मदिन की बधाई दी है।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से किये गये ट्वीट में कहा गया है, अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान राष्ट्रपति ने आज मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएँ दीं। गौरतलब है कि राष्ट्रपति कोविंद इन दिनों उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान रविवार को योगी के निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर में हैं। इसके जवाब में योगी ने ट्वीट कर

मोदी ने ट्वीट कर कहा, आपकी स्नेहिल शुभकामनाओं हेतु हार्दिक आभार माननीय राष्ट्रपति जी। 'नए उत्तर प्रदेश' के सर्वांगीण विकास के संकल्प की सिद्धि में आपकी शुभकामनाएं मार्गदर्शिका का कार्य करेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर अपने बधाई संदेश में कहा, उप्र के ऊर्जावान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जन्मदिन की बधाई। उनके कुशल नेतृत्व में राज्य ने प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने राज्य के लोगों के लिए जनहितैषी सुशासन सुनिश्चित किया है। जनसेवा को समर्पित उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

योगी ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, संबल प्रदान करतीं आपकी आत्मीय शुभकामनाओं एवं बधाई हेतु हृदयतल से आभार आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी।

कानपुर में भीषण गर्मी का कहर, हीट स्ट्रोक से तीन और लोगों की मौत

कानपुर। कानपुर में भीषण गर्मी के चलते हीट स्ट्रोक ने तीन और की जान ले ली। प्रसूताओं की किडनी में के खून के थक्के बन रहे हैं इसलिए उन्हें इमरजेंसी में सघन चिकित्सा में भर्ती करने की नौबत आ गई है। 24 घंटे में पांच को हैलट और नर्सिंग होमों में भर्ती किया गया है।

हैलट इमरजेंसी में 27 मरीजों को हीट स्ट्रोक और डायरिया के चलते भर्ती कराया गया है। इनमें से 13 को किडनी की दिक्कत पर सघन चिकित्सा में रखा गया है। महाराजपुर के राधेलाल (56) को खेतों में काम करने के दौरान चक्कर आया और वे बेहोश हो गए। परिजन रात में सरसौल सीएचसी ले गए लेकिन उन्हें हैलट रेफर कर दिया गया, जहां पर चार घंटे के इलाज के बाद दम तोड़ दिया। हीट स्ट्रोक के कारण उन्हें पैरालिसिस हो गया था।

करही की लीलावती (49) को साकेत नगर के नर्सिंग होम में इलाज के बाद उर्सला भेजा गया लेकिन वहां पर हालत बिगड़ने पर हैलट इमरजेंसी रेफर किया गया। जहां मेडिसिन में दस घंटे इलाज चला। आईसीयू शिफ्ट किया लेकिन सुबह नौ बजे दम तोड़ दिया, मंधना के आलोकचंद्र की ब्रेन स्ट्रोक के चलते न्यूरो साइंस सेटर में मौत हो गई। प्रसुताओं को गर्मी में पानी की कमी के कारण क्रमण पर टीएमए यानी थांबोटिक माइक्रो एंजियोपैथी का हमला शुरू हुआ है।

इसमें किडनी में थक्के बन जाने से एंटीबॉडी विकसित हो जाती है, जिसे प्लाज्मा थेरेपी से हटाने का काम किया जाता है। हैलट के नेफ्रो विशेषज्ञ डॉ. युवराज गुलाटी के मुताबिक टीएमए गंभीर बीमरी है।

औरैया में तालाब खुदाई के दौरान मिली भगवान सूर्य की प्राचीन मूर्ति

औरैया। औरैया के दिबियापुर से सटे ऐतिहासिक गांव सेहुद में तालाब की खुदाई के दौरान एक खंडित मूर्ति निकली। इसके चलते खुदाई का काम बंद करा दिया गया है। लखनऊ पुरातत्व विभाग ने पुष्टि की है कि यह 10वीं शताब्दी की भगवान सूर्य की मूर्ति है। इसपर नागरी लिपि से कुछ लिखा भी है। फिलहाल जिला प्रशासन को सूचना देकर मूर्ति को टीले पर रख दिया गया है। सेहुद गांव में शनिवार को तालाब की खुदाई हो रही थी, तभी एक खंडित मूर्ति मिली। मजदूरों ने प्रधान प्रतिनिधि स्वदेश राजपूत और पंचायत अधिकारी ब्रजेंद्र त्रिपाठी को जानकारी दी। एसडीएम सदर मनोज कुमार का कहना है कि उन्होंने टीम भेजकर जांच कराई है। इसके साथ ही पुरातत्व विभाग को भी सूचना दी है। इतिहासकार अविनाश अग्निहोत्री बताते हैं कि प्रतिहार वंश के समय भगवान सूर्य की कई प्रतिमाएं स्थापित हुई थीं। 1019 ई. में महमूद गजनवी ने कन्नौज में आक्रमण कर सब तहस-नहस कर दिया था। कालिंजर अभियान कन्नौज से औरैया के देवकली मंदिर तक चला था। यह मूर्ति भी तभी की हो सकती है। पुरातत्व विभाग लखनऊ के उपनिदेशक नर सिंह त्यागी ने कहा, सूर्य मूर्ति खंडित है, सिर्फ पीठ ही रह गई। प्रतिमा के बाएं ओर दंड था, जो टूट चुका है।

कानपुर हिंसा : हयात जफर समेत चारों आरोपियों को 14 दिन की जेल, जांच के लिए एसआईटी गठित

कानपुर। तीन जून को कानपुर में हुए बवाल के आरोपियों को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। हालांकि अभी पुलिस रिमांड नहीं मिली है। पुलिस ने सभी चारों आरोपियों की रिमांड लेने के लिए कोर्ट से अपील करेगी। रविवार को कोर्ट बंद होने के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश करके पुलिस ने अदालत से 14 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोर्ट कानपुर हिंसा के सभी आरोपियों

की रिमांड लेने के लिए कोर्ट से अपील करेगी। वहीं दूसरी ओर कानपुर के परेड इलाके में शुक्रवार को हुए दंगे और हिंसा के संबंध में विस्तृत जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। कानपुर के पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने रविवार को बताया कि आरोपियों के नेटवर्क को नष्ट करने और उनके मोबाइल की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, इसके अलावा एक और टीम का गठन किया गया है। इन टीमों का गठन इस मामले में जांच की प्रगति तय करेगा।

क्या है पूरा मामला

कानपुर के बेकनगंज में नई सड़क पर शुक्रवार को नमाज के बाद बाजार बंद कराने को लेकर जमकर बवाल हुआ। इस हिंसा के मामले में अबतक तीन प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में 40 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। जबकि 1000 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया। पुलिस ने नई सड़क में अघोषित कर्फ्यू लगाते हुए 35 उपद्रवियों को धर दबोचा। इस बीच इलाके में सामान्य हालात की बहाली के लिये पीएसी की 12 कंपनियां तैनात की गयी हैं। पुलिस को हिंसा से जुड़े घटनाक्रम के अब तक 40 सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इनके आधार पर चन्हिति आरोपियों के घरों में लगातार दबिश दी जा रही। साथ ही चन्हिति संदग्धिों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दंगाईयों की संपत्ति पर बुल्डोजर चलाकर जब्त करने की कार्रवाई भी की जायेगी।

कबीर के निर्वाण में भी सांप्रदायिक एकता का संदेश छिपा था : कोविंद

एजेंसी

संतकबीर नगर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को संत कबीर की साधना स्थली मगहर में उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कबीर दास जी ने पहले समाज को जगाया, फिर चेताया है। उनके निर्वाण में भी सांप्रदायिक एकता का संदेश छिपा है, इसलिये उनका जीवन सभी के लिये प्रेरणा का स्रोत है।

राष्ट्रपति ने कहा, संत कबीर का पूरा जीवन, मानव धर्म का श्रेष्ठतम उदाहरण है। उनके निर्वाण में भी सांप्रदायिक एकता का संदेश छिपा था। आज, एक ही परिसर में कबीर की समाधि और मजार बनी हुई है। सांप्रदायिक एकता की ऐसी मिसाल दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि कबीर ने समाज को, समानता और समरसता का मार्ग दिखाया। उन्होंने कुरीतियों, आडंबरों और भेद-भाव को दूर करने का बीड़ा उठाया और गृहस्थ जीवन को भी संतों की तरह जिया।

राष्ट्रपति ने संत कबीर के जीवन से

सभी को प्रेरणा लेकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि मानव जीवन को सुधारने के लिए कबीरदास मगहर आए थे। वह सच्चे भक्त थे और लोगों की पीड़ा को समझते थे, इसलिये लोगों के कष्ट निवारण के उपाय भी करते थे।

इस अवसर पर राष्ट्रपति कोविंद ने कबीर चौरा पर कबीर अकादमी और शोध संस्थान सहित लगभग 49 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संतो के आगमन से धरती पवित्र हो जाती है, इसका ज्वलंत प्रमाण मगहर की धरती है। यहां लगभग 03 वर्ष तक संत कबीर का प्रवास रहा। उनके आगमन से यह भूमि पूरी तरह से खिल उठी। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, संत कबीर यद्यपि, पुस्तकीय ज्ञान से वंचित रहे, फिर भी उन्होंने, साधु-संगति से अनुभव-सिद्ध ज्ञान प्राप्त किया। आज लगभग 650 वर्ष गुजर जाने के बाद भी, उनकी शिक्षाएं जन-साधारण से लेकर बुद्धिजीवी वर्ग में एक समान लोकप्रिय हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सही मायने मे संत कबीर का सन्देश यह था कि किसी स्थान विशेष पर मरने से स्वर्ग और नरक की प्राप्ति नहीं होती है, बल्कि अपने आचरण से किसी भी स्थान को स्वर्ग बना सकते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमन्त्री योगी ने कहा कि संत कबीर नगर के मगहर में राष्ट्रपति महोदय के द्वारा शिक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन से जुड़ी 86.76 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण राज्यपाल महोदया की उपस्थिति में संपन्न हुआ है। इसके लिये उन्होंने राष्ट्रपति और राज्यपाल का आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट व बौद्ध सर्किट जैसी अनेक परियोजनाएं संचालित हैं, जो पर्यटन विकास की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के साथ ही नौजवानों के लिए रोजगार की सुविधा भी उपलब्ध करा रही हैं।

योगी ने कहा, कबीर दास जी ने कहा था कि कार्य को टालने की आदत नहीं होनी चाहिए। जो कार्य कल करना है, उसे आज कर लो और जो आज करना है, उसे अभी कर लो। कर्म पथ पर चलकर ही हम अपने समाज, प्रदेश और देश को आगे बढ़ा सकते हैं।

मगहर से राष्ट्रपति कोविंद वाराणसी के लिये रवाना हो गये। वाराणसी में वह शाम को काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन करेंगे।

योगी ने कोविंद और आनंदीबेन को भेंट की टेराकोटा की मूर्तियां

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को टेराकोटा शिल्प से बनीं भगवान श्री गणेश की मूर्तियां भेंट की। गोरखपुर के अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे और अंतिम दिन रविवार को सर्किट हाउस में श्री कोविंद टेराकोटा शिल्प से बनीं भगवान श्री गणेश की मूर्तियां को देखकर माटी शिल्प के मुरीद नजर आए। इस अवसर पर राष्ट्रपति के परिवार के अवलोकन के लिए टेराकोटा शिल्प का स्टाल लगाया गया। टेराकोटा गोरखपुर की खास व पारंपरिक पहचान है। मुख्यमंत्री बनने के बाद इसे ओडीओपी में शामिल कर योगी आदित्यनाथ ने इसे उद्यमिता और रोजगार का बड़ा फलक प्रदान किया है। योगी सरकार के प्रयासों से यह अब ग्लोबल ब्रांड के रूप में स्थापित हो रहा है। इसकी ब्रांडिंग उस वक्त और मजबूत होती दिखी, जब राष्ट्रपति के गोरखपुर आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में इसे उपहार स्वरूप उन्हें भेंट किया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ ही श्री योगी ने राज्यपाल को भी टेराकोटा शिल्प से गढ़ी भगवान गणेश की मूर्ति भेंट की।

सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर टेराकोटा शिल्प का स्टाल लगाए गया। शिल्पकार राममिलन प्रजापति, अखिलेश प्रजापति और हीरालाल प्रजापति द्वारा सामूहिक रूप से लगाए स्टाल का अवलोकन राष्ट्रपति की सुपुत्री स्वाति कोविंद व राष्ट्रपति के स्टाफ ने किया। इस दौरान उन्होंने शिल्पकारों से बातचीत कर टेराकोटा के बनने की प्रक्रिया और इसकी खूबियों के बारे में जानकारी हासिल की। वह इन इन उत्पादों की खूबसूरती और कलात्मकता से इतनी प्रभावित हुईं की उन्होंने 16 उत्पाद खरीद लिए।

शार्ट न्यूज

सर्राफा : सोना, चांदी में गिरावट, सिक्का मजबूत

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान सोना 150 रुपये तथा चांदी 650 रुपये नीची होकर बिकी। चांदी सिक्का मजबूत बताया गया। कारोबार की शुरुआत में सोना 52600 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 52450 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 63500 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 62850 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 52700 नीचे में 52100 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 64200 तथा नीचे 62100 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1851 डॉलर तथा चांदी 2192 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर. खाद्य तेलः मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में नरमी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी सुस्ती से भाव गिरावट लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल 20 रुपये तथा सोयाबीन रिफाइंड 05 रुपये नीचा बिका। तिलहनों में भाव नरम बताए गए। कपास्या खली घटकर बिकी। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1630 से 1650 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1610 से 1620 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 1505 से 1510 रुपये पर खुलकर 1500 से 1505 रुपये बिका। पाम तेल 1585 से 1590 रुपये खुलकर 1565 से 1570 रुपये होकर पर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव नरमी लिए बताए गए। सप्ताहांत सरसो तथा रायड़ा मांग सुस्ती से घटकर बिका। पशु आहार कपास्या खली में 25 रुपये की नरमी दर्ज की गई।

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई। वैश्विक बाजार में पीली धातु के गिरने और सफेद धातु में बढ़त के बावजूद बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 57 रुपये प्रति दस ग्राम की मामूली तेजी जबकि चांदी 471 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख रहा। सोना हाजिर 1.96 डॉलर प्रति औंस टूटकर सप्ताहांत पर 1850.77 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 2.5 डॉलर प्रति औंस गिरकर 1848.10 डॉलर प्रति औंस रह गया। वहीं, सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.95 डॉलर प्रति औंस चढ़कर 21.91 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 57 रुपये की मामूली बढ़त लेकर 50970 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान सोना मिनी 50959 रुपये प्रति दस ग्राम पर सपाट रही। वहीं, समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 471 रुपये सस्ती होकर 61645 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। साथ ही चांदी मिनी 457 रुपये उतरकर सप्ताहांत पर 61956 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.9 अरब डॉलर बढ़कर 601.4 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 3.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 601.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 4.23 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 597.5 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 27 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.6 अरब डॉलर चढ़कर 536.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 9.4 करोड़ डॉलर की बढ़त लेकर 40.91 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.8 करोड़ डॉलर की बढ़त के साथ 5.02 अरब डॉलर हो गई।

पेट्रोल-डीजल के दाम 14वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 14वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 120 डॉलर प्रति बैरल की कीमत को पार चुके हैं। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमशः 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 119.72 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 2.90 प्रतिशत बढ़कर 120.26 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई। वैश्विक बाजार में पीली धातु के गिरने और सफेद धातु में बढ़त के बावजूद बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 57 रुपये प्रति दस ग्राम की मामूली तेजी जबकि चांदी 471 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख रहा। सोना हाजिर 1.96 डॉलर प्रति औंस टूटकर सप्ताहांत पर 1850.77 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 2.5 डॉलर प्रति औंस गिरकर 1848.10 डॉलर प्रति औंस रह गया। वहीं, सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.95 डॉलर प्रति औंस चढ़कर 21.91 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 57 रुपये की मामूली बढ़त लेकर 50970 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान सोना मिनी 50959 रुपये प्रति दस ग्राम पर सपाट रही। वहीं, समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 471 रुपये सस्ती होकर 61645 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। साथ ही चांदी मिनी 457 रुपये उतरकर सप्ताहांत पर 61956 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

फुटवियर विक्रेताओं को सरकार ने दी बड़ी राहत

नई दिल्ली। सरकार ने फुटवियर उद्योग के अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए देश में बने और बेचे जाने वाले फुटवियर के लिए बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) के अनुपालन को अनिवार्य करने वाले गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को एक और वर्ष के लिए टाल दिया है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अब एक जुलाई, 2023 से लागू होगा। दिल्ली स्थित कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बीते दिनों इस मामले को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के समक्ष उठाया था। कैट ने दलील दी थी की देश भर में फुटवियर बनाने वाले छोटे निर्माताओं और व्यापारी हैं जिनके लिए नकदी के अभाव में गुणवत्ता मानकों का पालन करना मुश्किल होगा। कैट ने कहा कि देश की 85 प्रतिशत आबादी सस्ते जूते-चप्पल पहनती है और इसका बड़े पैमाने पर 90 प्रतिशत उत्पादन गरीब लोगों और मोचियों द्वारा घर में बने उद्योग तथा कुटीर उद्योगों में किया जाता है। देश में इन जूते-चप्पलों का अधिकतम उपयोग निम्न और मध्यम आय के वर्ग द्वारा किया जाता है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवान ने कहा,भारत में फुटवियर निर्माण के बड़े हिस्से पर बीआईएस मानकों को लागू करना असंभव है। उन्होंने कहा कि भारत में फुटवियर उद्योग में 85 प्रतिशत निर्माता बहुत छोटे पैमाने के हैं और सरकार द्वारा निर्धारित बीआईएस मानकों का पालन करना असंभव होगा। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के आदेशानुसार, औद्योगिक और सुरक्षात्मक रबड़ के जूते, पीवीसी सैंडल, रबड़ हवाई चप्पल और मोल्डेड रबड़ के जूते जैसे फुटवियर के लिए नए गुणवत्ता मानदंड लागू रहेंगे। यह आदेश निर्यात के लिए बनी वस्तुओं पर लागू नहीं होगा।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा तय करेगी बाजार की चाल

मुंबइ। अमेरिका में अप्रैल में उपभोक्ता व्यय बढ़ने और बढ़ती महंगाई की रफ्तार धीमी पड़ने से विदेशी बाजारों में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की लिवाली से बीते सप्ताह डेढ़ प्रतिशत से अधिक की बढ़त पर रहे घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा से तय होगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 884.57 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 55 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 55769.23 पर पहुंच गया। इसी तरह अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 231.85 अंक की तेजी लेकर 16584.30 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली का जोर रहा। सप्ताहांत पर मिडकैप 257.24 अंक मजबूत होकर 22774.98 अंक और स्मॉलकैप 762.57 अंक की छलांग लगाकर 26384.14 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह आरबीआई की चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा होने वाली है। महंगाई और आर्थिक विकास के मौजूदा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए नीतिगत दरों में 0.25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की संभावना है। इसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों के रुख की भी बाजार को दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो कारोबारी दिवस तेजी और तीन दिन गिरावट रही। अमेरिका में अप्रैल में उपभोक्ता व्यय बढ़ने और बढ़ती महंगाई की रफ्तार धीमी पड़ने से विदेशी बाजारों में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 1041.08 अंक की छलांग लगाकर तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर और 55 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 55925.74 अंक और निफ्टी 308.95 अंक की उड़ान भरकर 16661.40 अंक पर रहा। वहीं, विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच ऊंचे भाव पर हुई बिकवाली के दबाव में मंगलवार को सेंसेक्स 359.33 अंक टूटकर 55566.41 अंक और निफ्टी 76.85 अंक फिसलकर 16584.55 अंक पर रहा। इसी तरह वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मारुति, रिलायंस, टीसीएस, इंफोसिस और एलटी समेत 20 दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से बुधवार को सेंसेक्स 185.24 अंक टूटकर 55381.17 अंक और निफ्टी 61.80 अंक फिसलकर 16522.75 अंक पर रहा। वहीं, वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस, टाटा स्टील, एनटीपीसी, आईटीसी और एसबीआई समेत बीस दिग्गज कंपनियो में हुई लिवाली की बदौलत गुरुवार को सेंसेक्स 436.94 अंक की उड़ान भरकर 55818.11 अंक और निफ्टी 105.25 अंक उछलकर 16628 अंक पर रहा।

वहीं, वैश्विक स्तर से मिले मिश्रित संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर पावर, यूटिलिटी, ऑटो और बेसिक मैटेरियल्स जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण शेयर बाजार शुक्रवार को फिर से गिरावट लेकर बंद हुआ। सेंसेक्स 48.88 अंक उतरकर 55769.23 अंक पर और निफ्टी 43.70 अंक टूटकर 16584.30 अंक पर रहा।

आरबीआई रेपो दर में कर सकता है 0.25-0.50 प्रतिशत तक का इजाफा : विश्लेषक

नयी दिल्ली। अर्थशास्त्रियों और बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि ऊंची मुद्रास्फीति और भू-राजनैतिक तनावों से जिंस की कीमतों में उतार चढ़ाव को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक(आरबीआई) इस सप्ताह रेपो दर में 0.25 से लेकर 0.50 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकता है।

रिजर्व बैंक की नीतिगत दरें तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक सोमवार को शुरू हो रही है। समिति के निर्णयों की घोषणा रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ शक्तिकांत दास आठ जून को करेंगे।

रिजर्व बैंक ने पिछले माह समिति की द्वैमासिक समीक्षा बैठक के अवधि के बीच में ही एक बैठक बुलाकर मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए नीतिगत ब्याज दर को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। गर्वनर डॉ दास ने हाल में संकेत दिया था कि नीतिगत दरों में आनेवाले समय में और वृद्धि कर सकता है। इसलिए रेपो दर में वृद्ध की संभावना को तय माना जा रहा है।

रेपो रेट वह दर है जिसपर बैंक आरबीआई से रोजमर्रा के लिए पैसा ऊधार लेते हैं। रेपो दर के बढ़ने से बैंकों के पास धन की लागत बढ़ जाती है और वह कर्जदारों के लिए ऋण महंगा कर देते हैं।

मौद्रिक नीति समिति ने पिछली अप्रत्याशित बैठक में आरक्षित नगदी अनुपात (सीआरआर) भी बढ़ाकर 4.0 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत कर दिया था जो 21 मई के पखवाड़े से प्रभावी हो गयी है। सीआरआर बढ़ने से बैंकों को अतिरिक्त नगदी रिजर्व बैंक के नियंत्रण में रखनी पड़ती है जिससे उनके पास कर्ज देने के लिए उपलब्ध धन सीमित हो जाता है।

आरबीआई की सोमवार से हो रही समीक्षा बैठक की संभावनाओं के बारे में कोटक इंस्टीट्यूशल इक्विटिज के वरिष्ट अर्थशास्त्री सुवोदीप रक्षित ने कहा,卐हम जून की नीतिगत बैठक में रेपो में 0.40 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना देख रहे हैं। लेकिन यह भी संभव है कि आरबीआई 0.35-0.50 प्रतिशत के दायरे में किसी भी स्तर की वृद्धि कर सकता है।

उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति समिति अगस्त तक नीतिगत दर को महामारी से पहले की 5.15 प्रतिशत की दर तक पहुंचाना चाहती है।

एसबीआई ग्रुप के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्यकांति घोष ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि आरबीआई इस बैठक में रेपो दर को 0.50 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है और उदार नीतिगत रुख में कमी के कदमों पर ध्यान दे सकता है। इसका कारण है कि मुद्रास्फीति का दबाव लगातार ऊंचा बना हुआ है।

श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक उमेश रेवांकर ने कहा कि इस समय जहां एक ओर कोविड के नए-नए स्वरूपों को लेकर अनिश्चिता बनी हुयी है और आर्थिक वृद्धि दर में भी उतार-चढ़ाव चल रहा है। मुद्रास्फीति के बढ़ने की प्रत्याशाएं ऊंची हैं और दुसरी तरफ दुनियाभर के केंद्रीय बैंक सस्ते कर्ज की नीति से पीछे हट रहे हैं। ऐसे हालात में हमें उम्मीद है कि रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति को समान्य बनाने की राह पर ही चलेगा लेकिन उसकी रफ्तार धीमी होगी।

कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बॉन्ड निवेश के प्रमुख चर्चिल भट्ट को उम्मीद है कि मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दर में 0.25-0.40 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकती है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2,31,320.37 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 884.57 अंक या 1.61 प्रतिशत चढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जीवन बीमा निगम (एलआईसी), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन घट गया। इन कंपनियों के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 68,140.72 करोड़ रुपये की कमी आई।

सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,38,222.46 करोड़ रुपये के लाभ के साथ 18,80,350.47 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 64,618.85 करोड़ रुपये बढ़कर 12,58,274.59 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का 25,728.52 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,40,373.02 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 2,750.54 करोड़ रुपये बढ़कर 5,17,049.46 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 25,955.25 करोड़ रुपये घटकर 3,76,972.75 करोड़ रुपये रह गया।

जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 13,472.25 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,06,157.94 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत में 9,355.02 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 4,13,299.36 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 8,963.69 करोड़ रुपये के नुकसान से 5,38,561.56 करोड़ रुपये पर आ गया।

क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों के लिए अच्छी खबर

नई दिल्ली। रविवार को क्रिप्टोकरेंसी के निवेशकों के लिए अच्छी खबर आई। सुबह 10 बजे तक ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी हरे निशान के ऊपर कारोबार कर रही थी। CoinMarketCap के अनुसार कल के मुकाबले आज क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट 1.08 प्रतिशत बढ़कर 1.23 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। आइए जानते हैं कि किस क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में सबसे अधिक तेजी देखने को मिली है। CoinMarketCap के अनुसार पिछले 24 घंटे के अंदर ईथर के मार्केट कैप में 2.18त्न का उछाल देखने को मिला। रविवार को सुबह ईथर 1,791.72 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। इसके अलावा Solana की कीमतों में भी पिछले 24 घंटे के दौरान 5.24 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, कम चर्चित क्रिप्टोकरेंसी Avalanche की कीमतों में भी उछाल देखने को मिली है। बीते 24 घंटे के दौरान Avalanche की कीमतों में 8.17 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। दूसरी ऐसी क्रिप्टोकरेंसी जिनसे खूब नुकसान हुआ है बीते 24 घंटों के दौरान उसमें SD Coin सबसे ऊपर है। SD क्वॉइन 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज सुबह ट्रेड कर रही थी। इसी दौरान ठ्ठद्वह्य2ड्डश्च की कीमतों में 0.01 प्रतिशत और Stellar की कीमतों में 1.36 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। इस बीच BitCoin निवेशकों के लिए आज फिर राहत भरी खबर आई। दुनिया की सबसे बड़ी मार्केट कैप वाली क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में आज 0.66 प्रतिशत की मामूली बढ़त देखने को मिली है।

खाद्य तेल और दालें सस्ती; गेहूं-चीनी महंगी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच बीते सप्ताह उठाव कमजोर पड़ने से दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दालों के भाव उतर गए वहीं गेहूं और चीनी महंगी हो गई।

तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 117 रिंगिट फिसलकर 6760 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा सप्ताहांत पर 0.86 सेंट चढ़कर 81.20 सेंट प्रति पाउंड पर पहुंच गया।

बीते सप्ताह सरसों तेल 367 रुपये, मूंगफली तेल 293 रुपये, सूरजमुखी तेल 440 रुपये और सोया रिफाइंड 440 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया। वहीं, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 18314 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20512 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 20512 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 17582 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 16556 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 17289 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में गिरावट का रुख रहा। सप्ताहांत पर चना 100 रुपये, चना दाल 100 रुपये, मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 500 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई वहीं अरहर दाल के भाव अपरिवर्तित रहे।

सप्ताहांत पर चना 4350-4450, दाल चना 5350-5450, मसूर काली 8400-8500, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9700-9800, अरहर दाल 8000-8100 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज -बीते सप्ताह अनाज के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सप्ताहांत पर गेहूं 20 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि चावल के भाव स्थिर रहे।

सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल) : गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल : 2450-2550 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

चीनी-गुड़ : आलोच्य सप्ताह मीठे के बाजार में मिश्रित रुझान रहा। सप्ताहांत पर चीनी 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई वहीं गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पिछले स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर चीनी एस. 3360-3460, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3310-3410 और गुड़ 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल पर रहे।

भारत ने पांच महीने पहले ही पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल किया : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत ने समयसीमा से पांच महीने पहले पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है और इससे देश में करीब 27 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम हुआ तथा भारत को 41,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की विदेशी मुद्रा बचत और पिछले आठ वर्षों में किसानों को 40,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की आय हुई है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यहां विज्ञान भवन में 'मिट्टी बचाओ आंदोलन' पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन में भारत की भूमिका न के बराबर होने के बावजूद पर्यावरण की रक्षा के लिए भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व के बड़े आधुनिक देश न केवल धरती के ज्यादा से ज्यादा संसाधनों का दोहन कर रहे हैं बल्कि सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन भी उन्हीं के खाते में जाता है। मोदी ने कहा, ''आपको ये जानकर भी गर्व की अनुभूति होगी कि भारत इस लक्ष्य पर तय समय से पांच महीने पहले पहुंच गया है।''

27 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम हुआ

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि साल 2014 में भारत में सिर्फ डेढ़ प्रतिशत इथेनॉल की पेट्रोल में ब्लेंडिंग होती थी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने की वजह से 27 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम हुआ और भारत को 41,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की विदेशी मुद्रा बचत हुई है तथा पिछले आठ वर्षों में किसानों को इथेनॉल मिश्रण से 40,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की आय हुई है। मोदी ने देश के लोगों, किसानों और तेल निर्माता कंपनियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। 'मिट्टी बचाओ आंदोलन' मिट्टी के बिगड़ते स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसे सुधारने के लिए जागरूक दायित्व कायम करने के लिए एक वैश्विक आंदोलन है। जाने-माने आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव 'सद्गुरु' ने मार्च 2022 में इस आंदोलन की शुरुआत की थी। उन्होंने 27 देशों से होकर 100 दिन की मोटरसाइकिल यात्रा शुरू की थी। पांच जून 100 दिन की यात्रा का 75वां दिन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में मिट्टी को जीवंत बनाए रखने के लिए निरंतर काम हुआ है और इस दौरान मिट्टी को रसायन मुक्त बनाने, मिट्टी में रहने वाले जीवों को बचाने, मिट्टी की नमी को बनाए रखने तथा उस तक जल की उपलब्धता बढ़ाने, भूजल कम होने की वजह से मिट्टी को हो रहे नुकसान को दूर करने और वनों का दायरा कम होने से मिट्टी के लगातार क्षरण को रोकने पर सरकार का ध्यान केंद्रित रहा।

मोदी ने कहा कि पहले देश के किसान के पास मिट्टी की गुणवत्ता को लेकर जानकारी का अभाव हुआ करता था और 'सॉइल हेल्थ कार्ड' अभियान चलाने से किसानों को बहुत लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 22 करोड़ से ज्यादा 'सॉइल हेल्थ कार्ड' जारी किए गए हैं तथा मिट्टी की गुणवत्ता की जांच का एक बहुत बड़ा नेटवर्क भी तैयार हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वजह से किसानों की लागत में आठ से 10 प्रतिशत की बचत हुई है और उपज में बढ़ोतरी देखी गई है। उन्होंने कहा, ''मिट्टी आज स्वस्थ हो रही है तो उत्पाद भी बढ़ रहा है। सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने की वजह से और अटल योजना की वजह से देश के अनेक राज्यों में मिट्टी की सेहत भी संवर रही है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में भारत के वन क्षेत्र में 20,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक की वृद्धि हुई है और वन्यजीवों की संख्या में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, ''आज चाहे बाघ, हो या शेर हो या तेंदुए या फिर हाथी, सभी की संख्या देश में बढ़ रही है।''

सालाना लगभग 40 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम हो रहा

मोदी ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए आज भारत नवोन्मेष और पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी पर लगातार जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि एलईडी बल्ब की उजाला योजना से सालाना लगभग 40 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने अपनी स्थापति ऊर्जा उत्पादन क्षमता का 40 प्रतिशत गैर जीवाश्म ईंधन आधारित स्त्रोतों से हासिल करने का लक्ष्य तय किया था और उस लक्ष्य को उसने तय समय से नौ साल पहले ही हासिल कर लिया है। मोदी ने अपने संबोधन का अंत यह कहते हुए किया, ''मुझे पक्का विश्वास है कि दुनिया को मिट्टी के प्रति स्नेह तो पैदा हुआ ही होगा, लेकिन भारत की मिट्टी की ताकत का परिचय भी मिला होगा।''

इस तरह की कंपनियों को जल्द से जल्द प्राइवेट किया जाएगा, जानिए प्राइवेटाइजेशन पर वित्त मंत्रालय का बयान

नई दिल्ली। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की उन इकाइयों की स्ट्रैटेजिक बिक्री को जल्द पूरा किया जाएगा जिनके लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि ऐसी इकाइयां जिनके लिए मंत्रिमंडल की हरी झंडी मिल चुकी है, उनकी रणनीतिक बिक्री संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम दीपम द्वारा तय दिशानिर्देशों के तहत करेंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा कि जिन इकाइयों की रणनीतिक बिक्री के लिए रुचि पत्र (ईओआई) निकाले जा चुके हैं, उनकी बिक्री निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) द्वारा की जाएगी।

दिशानिर्देशों के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा

दीपम द्वारा एक जून को निकाले गए कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, जिस भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रणनीतिक बिक्री प्रस्ताव को मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) या वैकल्पिक व्यवस्था (एएम) की मंजूरी मिल चुकी है, उनकी बिक्री प्रक्रिया को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नए दिशानिर्देशों के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 मई को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को इकाइयों/अनुषंगी कंपनियों को बंद करने, रणनीतिक या अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री का अधिकार दिया था। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अधिक स्वायत्तता मिली है। इसके बाद दीपम ने यह कार्यालय ज्ञापन निकाला है। केंद्रीय मंत्रिमंडल 2016 से 35 सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और उनकी इकाइयों/अनुषंगियों के रणनीतिक विनिवेश के लिए सैद्धान्तिक मंजूरी दे चुका है। इनमें से नौ का लेनदेन पूरा हो गया है।

दीपम ने क्या कहा?

दीपम ने कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा रणनीतिक विनिवेश लेनदेन/बंदी के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया खुली और प्रतिस्पर्धी बोली के सिद्धान्तों पर आधारित और तय दिशानिर्देशों को पूरा करने वाली होनी चाहिए। इस तरह के रणनीतिक विनिवेश के लिए दीपक निर्देशित सिद्धान्त जारी किए जाएंगे। वहीं किसी इकाई को बंद करने के लिए लोक उपक्रम विभाग (डीपीई) के सिद्धान्त लागू होंगे। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को अपनी इकाइयों या अनुषंगियों की बिक्री के लिए अपने संबंधित मंत्रालय के जरिये दीपम के पास आवेदन करना होगा। वैकल्पिक तंत्र (एएम) विनिवेश के लिए सैद्धान्तिक मंजूरी प्रदान करेगा। एएम में वित्त, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और सार्वजनिक उपक्रम के संबंधित मंत्रालय के मंत्री शामिल रहेंगे।

शार्ट न्यूज

जिलाधिकारी ने विश्व कराटे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

नैनीताल/चम्पावत। मिस्र में आयोजित होने वाली विश्व कराटे प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम में शामिल चंपावत के तीन खिलाड़ियों को जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि मिस्र में 10 जून से 12 जून के दौरान विश्व कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाली भारतीय टीम में चंपावत जिले के तीन खिलाड़ियों दीपक सिंह, साक्षी बिष्ट व जतिन जोशी का चयन किया गया है। जिलाधिकारी भंडारी ने तीनों खिलाड़ियों से जिला सभागार में मुलाकात की और जाने से पहले तीनों का हौसला बढ़ाया और कहा कि आप सभी ने लगन एवं मेहनत से इस मुकाम को हासिल किया है। आशा है कि अच्छी खेल भावना के बल पर आप सभी प्रतियोगिता में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे और दुनिया में देश व चंपावत जिले का नाम रोशन करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से तीनों खिलाड़ियों को इस मौके पर कराटे किट भी उपलब्ध करायी गयी और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का वादा किया गया।

स्वियाटेक ने यूक्रेन से 'हिम्मत न हारने की' अपील की

पेरिस। पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने रोलैं गैरो का ख़िताब जीतने के बाद यूक्रेन से हिम्मत न हारने की अपील की। 21 वर्षीय स्वियाटेक ने शनिवार को फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिका की युवा सनसनी कोको गफ़ को हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। मैच के बाद स्वियाटेक ने कहा, मैं यूक्रेन को भी एक संदेश देना चाहती हूं, कि वह हिम्मत न हारें, क्योंकि वहां युद्ध चल रहा है। जबसे युद्ध शुरू हुआ, मैं उम्मीद कर रही थी कि जब मैं अगला टूर्नामेंट खेलूंगी तो युद्ध खत्म हो चुका होगा और स्थिति बेहतर हो चुकी होगी। मैं अब भी यही उम्मीद करूंगी। गफ़ ने स्वियाटेक के संदेश का स्वागत करते हुए कहा, मेरा मानना है कि इगा ने यूक्रेन का ज़िक्र करके बहुत अच्छा किया। पुरस्कार समारोह के दौरान आपके अंदर बहुत सी बातें चल रही होती हैं, इसलिये उनके द्वारा यूक्रेन का ज़िक्र करना मेरे अनुसार बहुत अच्छा और विचारशील था। उन्होंने कहा, सामान्य तौर पर, मुझे लगता है कि इन चीज़ों के लिये खेल के मंच का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। अगर मुझे नहीं लगेगा कि यह किसी को प्रभावित करने वाला है, तो मैं कुछ नहीं कहूंगी।

युवाओं का प्रदर्शन अच्छा, मगर सुधार की ज़रूरत : पीवी सिंधु

बेंगलुरु। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने कर्नाटक की ग्रां प्री बैडमिंटन लीग के लॉन्च पर कहा कि बहुत से युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अपने आप को साबित करने के लिये बहुत कुछ करना है। सिंधु ने कहा, एक बड़ा खालीपन है, लेकिन बहुत सारे युवा अच्छा कर रहे हैं। उबेर कप और अन्य टूर्नामेंटों में हमने आकर्षी (कश्यप) और अश्मिता (चलिहा) और कुछ अन्य खिलाड़ियों को देखा। उन्हें खुद को साबित करने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। मुझे यकीन है कि एक दिन हम उबेर कप जीतेंगे। हमें कोर्ट पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की जरूरत है और यह महत्वपूर्ण है कि हर कोई अपना 100 प्रतिशत दे। सिंधु जुलाई में होने वाले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले आने वाले हफ्तों में अच्छी फॉर्म में रहने और चोट मुक्त रहने की उम्मीद कर रही हैं।उन्होंने कहा, मेरा तात्कालिक लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में जाने से पहले सिंगापुर ओपन के अलावा इंडोनेशिया और मलेशिया मास्टर्स में खेलना है। यह आसान नहीं होने वाला है, लेकिन मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहने और चोट से मुक्त रहने की उम्मीद कर रही हूं। उन्होंने कहा, इस साल मेरी शुरुआत अच्छी रही है। मैं इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची और सैयद मोदी टूर्नामेंट और स्विस ओपन जीती। मैं कोरियाई ओपन और बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी पहुंची। यह साल अब तक अच्छा रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन जारी रख सकूंगी और आने वाले दिनों में और जीत हासिल करूंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद विश्व की नंबर सात शटलर टोक्यो की विश्व चैम्पियनशिप का रुख़ करेंगी।

आंध्र प्रदेश की महिला कबड्डी टीम की 12 में से 10 खिलाड़ी कृषि मज़दूरों की बेटियां

पंचकुला। हरियाणा के पंचकुला में खेलो इंडिया यूथ गेम्स की शुरुआत हो चुकी है। देश भर से अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेने के लिये टीमें आई हैं। इसी तरह खेलों में हिस्सा लेने आई आंध्र प्रदेश की महिला कबड्डी टीम की 12 में से 10 खिलाड़ी कृषि मज़दूरों की बेटियां हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए उत्साहित लड़कियां न केवल पदक के लिए बल्कि भविष्य की खेल प्रतीक बनने के लिए पंचकुला पहुंच चुकी हैं। आंध्र प्रदेश की वंदना सूर्यकला से जब लोग उनके माता-पिता के बारे में पूछते हैं तो वंदना गुस्सा हो जाती हैं। वह कहती हैं, तो क्या? हर एक का पेशा है और मेरे माता-पिता पेशे से मजदूर हैं। मुझे उन पर बहुत गर्व है। सूर्यकला शुक्रवार को खेलों में पदार्पण करते हुए पहले ही अपने कौशल को रेखांकित कर चुकी हैं। युवा रेडर ने ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अपने ग्रुप मैच में छत्तीसगढ़ को 40-28 से हराने में मदद करने के लिए 14 अंक बनाए। कबड्डी खेलने के उनके फैसले के बारे में वंदना ने मुस्कुराते हुए कहा, मैंने एक धावक के रूप में शुरुआत की क्योंकि मैं बचपन में खेतों में दौड़ा करती थी। जब मैं 7 साल की हुई तो मैंने अपने सभी दोस्तों को कबड्डी खेलते हुए देखकर इसकी ओर रुख किया। मैंने कबड्डी में अपने पैर जमाये और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। जीएनआर जूनियर कॉलेज की छात्रा मुनाकला देविका एक और नवोदित खिलाड़ी हैं, जो वंदना की बात से सहमत होते हुए कहती हैं, हमें अपने माता-पिता पर गर्व है और यह उनकी वजह से है कि हम यहां हैं। उन्होंने हमें खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे हमें वह समर्थन मिला है जिसकी हमें जरूरत है। जब यह खुशमिजाज लड़कियां खेल में व्यस्त नहीं होती हैं, तो वे अपने माता-पिता की खेतों में मदद करती हैं। उनका सपना है कि वे एक दिन अपने माता-पिता के लिए खेत खरीद सकें।

जो रुट का नाबाद शतक, इंग्लैंड ने जीता लॉर्ड्स टेस्ट

लंदन। पूर्व कप्तान जो रुट की नाबाद 115 रन की बेहतरीन शतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में चौथे ही दिन रविवार को पहले सत्र में पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए 277 रन का लक्ष्य मिला था। इंग्लैंड ने तीसरे दिन स्टंप्स तक पांच विकेट खोकर 216 रन बना लिए थे। उसे मैच जीतने के लिए 61 रन की जरूरत है जबकि न्यूज़ीलैंड को पांच विकेट की जरूरत थी। रुट और बेन फॉक्स ने कीवी टीम को कोई मौका नहीं दिया और इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 279 रन बनाकर मैच जीत लिया। रुट 77 रन से आगे खेलते हुए 170 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 115 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। बेन फॉक्स नौ रन से आगे खेलते हुए 92 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने अपना पांचवां विकेट 159 के स्कोर पर गंवाया था लेकिन उसके बाद से रुट और फॉक्स ने छठे विकेट की अविजित साझेदारी में 28.5 ओवर में 120 रन जोड़कर टीम को यादगार जीत दिला दी। रुट ने टिम साउदी की गेंद पर विजयी चौका मारा। न्यूज़ीलैंड का कोई भी गेंदबाज चौथे दिन इंग्लैंड का कोई भी विकेट नहीं गिरा पाया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शहबाज, हमजा की अंतरिम जमानत 11 जून तक बढ़ी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे पंजाब के मुख्यमंत्री हमजा शहबाज की अंतरिम जमानत को एक विशेष अदालत ने 11 जून तक के लिए संघीय जांच एजेंसी द्वारा उनके खिलाफ दायर 16 अरब रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बढ़ा दिया। विशेष अदालत के पीठासीन न्यायाधीश एजाज हसन अवान ने सुलेमान शाहबाज और मामले में दो अन्य के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

रणजी ट्रॉफ़ी जीतना अभी भी मेरा सबसे बड़ा सपना है : मनोज तिवारी

बेंगलुरु। पश्चिम बंगाल के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मनोज तिवारी ने पिछले एक साल से सप्ताह में चार दिन हावड़ा के पास शिबपुर में अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया है। फ़रवरी-मार्च में रणजी ट्रॉफ़ी के लीग चरण के कारण थोड़े समय के लिए वह ऐसा नहीं कर पाए और अब क्वार्टर फ़ाइनल खेलने के लिए तीन सप्ताह तक फिर से वह अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा नहीं कर पाएंगे।

पश्चिम बंगाल ने लगातार दूसरे सीज़न नॉकआउट में जगह बनाई है। मार्च 2020 में वे 1989-90 सीज़न के बाद पहली बार रणजी ख़िताब जीतने के काफ़ी क़रीब आए थे। 32 साल पहले बंगाल ने सितारों से सजी दिल्ली को हराकर पहली बार रणजी ट्रॉफ़ी अपने नाम किया था। 1990 के उस सीज़न को सौरव गांगुली के फ़ाइनल में ग्रैंड एंट्री को लेकर याद किया जाता है। जब उन्हें उनके बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली और बंगाल के वर्तमान कोच अरुण लाल की जगह पर मौक़ा दिया गया था।

राजकोट में फ़ाइनल हारने के दो साल बाद इस बार बंगाल ट्रॉफ़ी पर कब्ज़ा जमाने की कोशिश कर रहा है। चांदी की इस चमचाती ट्रॉफ़ी को अपने हाथ में थामने की लालसा ही है, जिस कारण मनोज तिवारी पीठ में दर्द, घुटनो में दर्द और टूटी हुई कार्टिलेज के बावजूद खेल रहे हैं।

मनोज तिवारी अपने आवास से सचिवालय भवन में अपने ऑफ़िस जाने के दौरान ईडन गार्डन्स के सामने से होकर गुजरते हैं। इस आईकॉनिक वेन्यू के बाहर एक छोटे से कोने में बंगाल के रणजी चैंपियंस की एक छोटी सी तस्वीर है। वह वहां मौजूदा टीम की फ़ोटो लगाना चाहते हैं।

मनोज तिवारी ने क्रिकइंफ़ो से कहा, रणजी ट्रॉफ़ी जीतना अभी भी मेरा सबसे बड़ा सपना है। यह ऐसा लक्ष्य है जिसने मुझे हमेशा से क्रिकेट में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। मैंने सपना देखा था कि बंगाल की टीम का नेतृत्व करते हुए, मैं टीम को रणजी जिताउंगा, हालांकि वह संभव नहीं हो पाया। इसके बाद मैं बस रणजी ट्रॉफ़ी जीतने वाली टीम का हिस्सा बनना चाहता था। 2020 में हम ट्रॉफ़ी जीतने के काफ़ी क़रीब थे। हालांकि वहां भी काम अधूरा रह गया।

मनोज तिवारी अब तक तीन रणजी फ़ाइनल का हिस्सा रह चुके हैं। पहली बार 2005-06 में उत्तर प्रदेश से पहली पारी में 14 रन से पिछड़ने के कारण उन्होंने बंगाल को हारते हुए देखा। 2006-07 में मुंबई की ताक़तवर टीम के सामने बंगाल ने सरेंडर कर दिया। हालांकि दोनों पारियों में मनोज तिवारी ने शानदार बल्लेबाज़ी की थी। 2019-20 में, एक पटकी हुई गेंद से बचने की कोशिश में चोट लगने के बाद मनोज तिवारी ने चोटिल उंगली के साथ खेला। फ़ाइनल की पूर्व संध्या तक वह दर्द से तड़प रहे थे, और उन्हें मैदान में उतरने के लिए दर्द निवारक दवाएं लेनी पड़ी। बाहर बैठने का कोई विकल्प नहीं था, और इसलिए उन्होंने सौराष्ट्र के ख़िलाफ़ दर्द के साथ मैदान में उतरने का फ़ैसला किया।

उन्होंने कहा मैं खेलना चाहता था, चाहे जो भी हो जाए। मेरे करियर में इतने वर्षों में मुझे इतनी चोटें आई हैं कि दर्द तब तक दूसरी प्रकृति बन गया था। मुझे पता था कि अगर मैं अभी भी दर्द के बारे में सोचता रहा, तो मैं ख़ुद या टीम के साथ कोई न्याय नहीं पाउंगा। तैयार होने के लिए जो कुछ भी करना पड़ा, मैंने किया। इसी तरह पिछले दो वर्षों में मैंने अपने प्रशिक्षण के रास्ते में चोटों और निगल्स को नहीं आने दिया।

'ब्लैक लाइव्स मैटर' का समर्थन करने पर इंग्लैंड के खिलाड़ियों का हुआ विरोध

बुडापेस्ट। इंग्लैंड और हंगरी के बीच शनिवार को हुए फुटबॉल मुकाबले से पहले हंगरी के प्रशंसकों ने घुटने के बल बैठने के लिये इंग्लैंड के खिलाड़ियों का उपहास उड़ाया।

उल्लेखनीय है कि अश्वेत लोगों के लिये शुरू की गयी 'ब्लैक लाइव्स मैटर' मुहीम के प्रति समर्थन जताने के लिये खिलाड़ी मैच से पहले घुटने के बल बैठते हैं। जब इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने शनिवार के मुकाबले से पहले ऐसा किया तो स्टेडियम में मौजूद हंगरी के प्रशंकों ने 'बू' की आवाज़ निकालकर अपना विरोध प्रकट किया।

यूईएफ़ा ने पिछली गर्मियों में देश में आयोजित यूरो 2020 मैचों के दौरान हंगरी के समर्थकों के दुर्व्यवहार के बाद स्टेडियम पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि फीफा ने सितंबर में 4-0 विश्व कप क्वालीफाइंग जीत के दौरान इंग्लैंड के खिलाड़ियों के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार के बाद इसी तरह की सजा जारी की थी।

जब खिलाड़ियों ने पिच पर अपना रास्ता बनाया तब दोनों देशों के राष्ट्रगान का सम्मन किया गया, लेकिन जब इंग्लैंड की टीम मैच शुरू होने से पहले घुटने पर बैठी तो दर्शक दीर्घा से ठहाकों की आवाज़ सुनी जा सकती थी। युएफा इसके लिये हंगरी को सज़ा नहीं देगा क्योंकि यह नियमों के ख़िलाफ़ नहीं है। इंग्लैंड के बुडापेस्ट दौरे से पहले टीम के मैनेजर गैरेथ साउथगेट ने कहा था कि उनकी टीम को सही काम करते हुए एक अच्छी मिसाल कायम करते रहना चाहिये, लेकिन शनिवार को पुसकास एरिना में हुए मुकाबले के बाद 51 वर्षीय साउथगेट ने कहा कि यह हंगरी के लोगों की 'विरासत में मिली सोच' हो सकती है। साउथगेट ने कहा, मुझे गता है कि यह विरासत में मिली सोच के कारण है। हम यह काम लोगों को शिक्षित करने की कोशिश में करते हैं और मुझे लगता है कि युवा केवल बड़े लोगों से प्रभावित हो सकते हैं। इंग्लैंड के डिफेंडर कॉनर कोडी ने कहा कि दर्शकों का रवैया बेहद निराशाजनक था, लेकिन यह इंग्लैंड को सही के लिये खड़ा होने से नहीं रोकेगा।

एक जुलाई से शुरू होगी ग्रां प्री बैडमिंटल लीग

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक की 'ग्रां प्री बैडमिंटन लीग' का आयोजन एक जुलाई से 10 जुलाई के बीच किया जाएगा। कर्नाटक बैडमिंटन एसोसियेशन ने शनिवार को इसकी घोषणा की।

ग्रां प्री बैडमिंटन लीग (जीपीबीएल) को आधिकारिक तौर पर यहां शनिवार को पीवी सिंधु, किदाम्बी श्रीकांत, साई प्रणीत, ज्वाला गुट्टा, अश्विनी पोनप्पा, चिराग़ शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और एचएस प्रणॉय की मौजूदगी में लॉन्च किया गया। बैडमिंटन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना लोहा मनवा चुके यह खिलाड़ी जीबीपीएल की आठ टीमों के मेंटर भी रहेंगे।

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और सिटी टीम बेंगलुरु लायंस की सह-मालिक सिंधु ने कहा कि वह जीपीबीएल का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं।

उन्होंने ट्रॉफी का अनावरण करने के बाद कहा, हम सभी जानते हैं कि इस तरह की लीगों ने क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के लिए क्या किया है। मुझे लगता है कि यह खेल को जन-जन तक ले जाने के दौरान प्रतिभा को उजागर करने का एक मंच है। मैं जीपीबीएल का हिस्सा बनकर बहुत रोमांचित हूं।

बिट्सपोर्ट के लीग कमिश्नर और सीईओ प्रशांत रेड्डी ने अपने बचपन के दोस्त और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अरविंद भट के साथ कहा, प्रीमियर बैडमिंटन लीग में एक टीम के सह-मालिक होने के बाद और खेल की क्षमता को देखने के बाद, हमने एक अनूठी लीग शुरू करने के बारे में सोचा। इसके अलावा पीबीएल के पिछले संस्करण को दो साल हो चुके हैं, इसलिए हम गति को जारी रखना चाहते हैं।

बेंगलुरु लायंस के अलावा लीग में मैंगलोर शार्क, मांड्या बुल्स, मैसूर पैंथर्स, मलनाड फाल्कन्स, बांदीपुर टस्कर्स, केजीएफ वुल्व्स और कोडागु टाइगर्स के रूप में सात अन्य टीमें खेलेंगी। प्रत्येक टीम में 10 खिलाड़ी होंगे, जिनमें से कम से कम पांच खिलाड़ी कर्नाटक से, और कम से कम तीन महिला खिलाड़ी होंगीं। विजेता टीम को 24 लाख रुपये दिये जाएंगे, जबकि उपविजेता को 12 लाख रुपये मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को छह लाख रुपये और 5वें स्थान पर रहने वाली टीम को चार लाख रुपये मिलेंगे। अंतिम तीन टीमों को क्रमश= तीन लाख रुपये, दो लाख रुपये और एक लाख रुपये मिलेंगे।

टीमों से संबंधित सुपरस्टार उनके परामर्शदाता (मेंटर) रहेंगे। मलनाड फाल्कन्स का मार्गदर्शन चिराग शेट्टी करेंगे, जबकि बांदीपुर टस्कर्स के पास ज्वाला गुट्टा की विशेषज्ञता होगी जो टीम की सह-मालिक भी हैं। मैसूर पैंथर्स का मार्गदर्शन सात्विक रंकीरेड्डी करेंगे जबकि कोडवा टाइगर्स को अश्विनी पोनप्पा द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

मांड्या बुल्स को साई प्रणीत का समर्थन मिलेगा और केजीएफ वुल्व्स को एचएस प्रणॉय द्वारा सलाह दी जाएगी। मैंगलोर शार्क के मेंटर की भूमिका किदांबी श्रीकांत निभाएंगे जबकि बेंगलुरु लायंस को पी वी सिंधु का साथ हासिल होगा।

लीग राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली जाएगी जब तक कि शीर्ष चार टीमें डबल एलिमिनेशन चरण (सेमीफ़ाइनल) के लिए क्वालीफाई नहीं कर लेतीं। प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच होंगे - पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल, पुरुष युगल और एक %सुपर मैच% प्रारूप जहां खिलाड़ी सात अंकों के अंतराल पर मैच में टीम के साथियों को टैग कर सकते हैं।

इस प्रारूप में, मैच पहले सात अंकों के लिए दो एकल खिलाड़ियों के साथ शुरू होता है, अगले सात अंकों के लिए युगल मैच में बदल जाता है और अंतिम सात अंकों के लिए ट्रिपल बन जाता है। 21 अंक हासिल करने वाली पहली टीम टाई जीतती है।

लीग के लिए देशभर से करीब 400 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है जिसके लिए अगले सप्ताह नीलामी होगी।

धमाकों से फिर दहली यूक्रेन की राजधानी कीव, रूसी सैनिकों ने पुलों और इमारतों को किया नष्ट

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव रविवार तड़के कई विस्फोटों से दहल गई। राजधानी के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने खुद इसकी जानकारी दी है। उन्होंने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर लिखा, राजधानी के डार्नित्स्की और निप्रोवस्की जिलों में कई विस्फोट हुए। राहत और बचाव से जुड़े लोग पहले से ही साइट पर काम कर रहे हैं। धमाकों को लेकर अधिक विस्तृत जानकारी का अभी इंतजार है।

इससे पहले शनिवार को रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेन के एक हिस्से में हवाई हमले किए हैं। हमलों के दौरान पुलों और इमारतों को नष्ट कर दिया गया। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। क्षेत्रीय गवर्नर सेरही हैदाई ने बताया कि रूसी और यूक्रेनी सेना के बीच सिविएरोदोनेस्क और लिसिचन्स्क में भीषण लड़ाई हुई। उन्होंने बताया कि रूस के हमलों में निकटवर्ती हिरस्के गांव में एक मां और बच्चा समेत चार लोगों की मौत हो गई।

अभी भी यूक्रेन के कब्जे में लुहान्स्क प्रांत

लुहान्स्क प्रांत अंतिम प्रमुख क्षेत्र हैं जो अभी भी यूक्रेन के कब्जे में हैं। हाल के दिनों में, रूसियों ने सिविएरोदोनेस्क पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित किया, जहां की आबादी लगभग 1,00,000 है। रूस ने डोनेस्कत के एक शहर बखमुट के आसपास भी हमलों को तेज कर दिया है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि युद्ध अपने 101 वें दिन भी जारी रहा।

यूक्रेनी सैनिकों ने 24 घंटे में 9 हमलों को किया नाकाम

ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक आकलन में कहा कि हवाई हमले और तोप से हमले इस क्षेत्र में रूस की हालिया सामरिक सफलताओं का एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। यूक्रेन के सैन्यकर्मियों ने दावा कि यूक्रेनी सैनिकों ने 24 घंटों में डोनबास में नौ हमलों को नाकाम कर दिया। हालांकि इस दावे को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका है।

1,300 से अधिक नागरिकों के शव कब्र से निकाले गए

यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि कीव के आसपास से रूस की सैन्य वापसी के बाद यूक्रेन के राजधानी क्षेत्र में अब तक 1,300 से अधिक नागरिकों के शव कब्र से निकाले जा चुके हैं। मंत्रालय की प्रवक्ता एलोना मतवेयेवा ने कहा कि शवों को फोरेंसिक जांच के लिए मुर्दाघर भेज दिया गया है और मृतकों में से लगभग 200 की पहचान नहीं हो पाई है।

जुदा हुईं शकीरा और जेराई की राहें

मैड्रिड। कोलंबिया की पॉप स्टार शकीरा और स्पेनिश फुटबॉलर जेरार्ड पिक ने अपने 12 साल पुराने रिश्ते को खत्म कर लिया है। सीएनएन न्यूज चैनल ने शनिवार को शकीरा तथा जेराड के संयुक्त बयान का हवाला देते हुए कहा,हमें इस बात की पुष्टि करते हुए खेद है कि हम अलग हो रहे हैं। हमारे बच्चों की भलाई के लिए, जो हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम हमारी गोपनीयता के लिए सम्मान का अनुरोध करते हैं। आपकी समझ के लिए धन्यवाद। उल्लेखनीय है कि इन दोनों की मुलाकात 12 साल पहले हुयी थी। उस समय शकीरा के 2010 फीफा विश्व कप गीत वाका वाका के संगीत वीडियो में जेरार्ड दिखाई दिए थे। जेरार्ड और शकीरा ने शादी नहीं की थी, लेकिन दोनों साथ रह रहे थे। इन दोनों के दो दो पुत्र मिलन और साशा है। दोनों लंबे समय से स्पेन में बार्सिलोना के बाहरी इलाके में एक साथ रह रहे थे।

बांग्लादेश : कंटेनर डिपो में लगी भीषण आग, 40 लोगों की मौत और 450 से अधिक घायल

ढाका। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में एक निजी कंटेनर डिपो में शनिवार रात विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई। इसके चपेट में आकर 40 लोगों की मौत हो गई और 450 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

द डेली स्टार समाचार पत्र ने बताया कि चटगांव के सीताकुंड उपजिला में कदमरासुल क्षेत्र स्थित बीएम कंटेनर डिपो में शनिवार रात आग लग गई। इसने कहा कि डिपो में लगी आग और उसके बाद हुए विस्फोटों में 40 लोगों की मौत हो गई। पुलिस और दमकल कर्मियों समेत सैकड़ों लोग झुलस गए।

350 चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती

ढाका ट्रिब्यून ने रेड क्रेसेंट यूथ चटगांव में स्वास्थ्य व सेवा विभाग के प्रमुख इस्ताकुल इस्लाम के हवाले से कहा, इस घटना में 450 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कम से कम 350 लोग सीएमसीएच (चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल) में भर्ती हैं।

इस्लाम ने मृतक संख्या के बढ़ने की आशंका जताई। दमकल सेवा सूत्रों के अनुसार, इस दौरान दमकल विभाग के भी तीन कर्मियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान का अभी पता नहीं चल पाया है।

आसपास के घरों की खिड़कियों के शीशे टूट

रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट से पड़ोस में हड़कंप मच गया और आसपास के घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। चटगांव अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा सहायक निदेशक मोहम्मद फारुक हुसैन सिकदर ने कहा कि आग बुझाने के लिए लगभग 19 अग्निशमन यूनिट्स को काम पर लगाया गया और छह एम्बुलेंस भी मौके पर भेजी गईं। बीएम कंटेनर डिपो एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के रूप में स्थापित किया गया है जो मई 2011 से काम कर रहा है।

जमानत अवधि समाप्त होने पर इमरान को गिरफ्तार किया जाएगा : सनाउल्लाह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने रविवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मुहैया कराई गई सुरक्षा के बावजूद जमानत अवधि समाप्त होने पर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। श्री सनाउल्लाह ने ट्वीट कर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को कानून के मुताबिक सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि श्री खान पर दंगों, देशद्रोह, अराजकता फैलाने और सशस्त्र हमलों के आरोप में पूरे पाकिस्तान में 24 से अधिक मामले दर्ज है। उनको मुहैया कराई गई सुरक्षा के बावजूद जमानत अवधि समाप्त होने पर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। डॉन अखबार ने मंत्री के हवाले से कहा, एक व्यक्ति जो प्रतिदिन देश में अराजकता फैलाता है, जो नैतिक और लोकतांत्रिक मूल्यों की पूर्ण अवहेलना करता है और जो कभी-कभी अपने विरोधियों को देशद्रोही और यज़ीदी कहता है। वह एक लोकतांत्रिक समाज में एक राजनीतिक दल का मुखिया कैसे हो सकता है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को इस्लामाबाद पुलिस ने कहा कि श्री खान के अपेक्षित आगमन को देखते हुए बानी गाला (उनके निवास का क्षेत्र) के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है तथा हाई अलर्ट पर है।

आंधी- तूफान से फ्रांस में बिजली गुल

पेरिस। फ्रांस में भारी बारिश और तूफान के बाद बिजली गुल हो जाने से करीब पांच हजार लोग प्रभावित हुए हैं। फ्रांस के पावर ग्रिड के संचालक एनेडिस ने कहा कि शनिवार को मध्यरात्रि के बाद आयी भारी बारिश और तेज हवाओं के बाद 65 विभागों को ऑरेंज चेतावनी जारी की गयी। उन्होंने बताया कि इसके कई घरों की बिजली चली गयी और पांच हजार लोग बिजली वंचित हो गये। बीएफएम टीवी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि एफिल टॉवर पर भी रात को बिजली गिरी थी। फ्रांसीसी फोटोग्राफर बर्ट्रेंड कुलिक ने इसे कैमरे में कैद कर लिया और उन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर डाल दिया। एफिल टॉवर की अधिकारिक वेबसाइट के अनुसार वर्ष 1889 में बनाये जाने के बाद से इस स्मारक पर हर वर्ष औसतन पांच बार बिजली गिरती है, लेकिन इससे न तो जनता को और ना ही टावर पर कोई असर पड़ता है।

बजराम निर्वाचित हुए अल्बानिया के नए राष्ट्रपति

तिराना (अल्बानिया)। श्री बजराम बेगज के अल्बानिया के नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। यहां शनिवार को हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में श्री बेगज के पक्ष में अल्बानिया के 78 सांसदों ने मतदान किया, जबकि चार सांसदों ने विरोध में वोट डाला। वहीं एक सांसद संसद सत्र में अनुपस्थित रहा। अल्बानियाई संसद में कुल सांसदों की संख्या 140 है, जिनमें से शनिवार को संसद सत्र की शुरुआत के दौरान कुल 103 सांसद उपस्थित थे, लेकिन सिर्फ 83 सांसदों ने ही राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान किया। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी सहित अधिकांश विपक्षी सांसदों ने इस प्रक्रिया का बहिष्कार किया।

उ. कोरिया ने कम दूरी तक मार कर सने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का किया परीक्षण

सोल। उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से कम दूरी तक मार कर सकने वाली आठ बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने रविवार को कहा कि उत. कोरिया ने स्थानीय समयानुसार सुबह 9=08 बजे से 9=43 बजे तक प्योंगयांग में सुनन क्षेत्र से इन मिसाइलों की परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना निगरानी को मजबूत करते हुए अमेरिका के साथ घनिष्ठ सहयोग में पूर्णरूप तत्पर और सचेत है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार उ. कोरिया की ओर से इस साल किया गया 18वां मिसाइल परीक्षण है। वहीं दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक-योल के 10 मई को पदभार संभालने के बाद से यह तीसरा परीक्षण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, सिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ रहा हूं।
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, रेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, हुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, क्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन की मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, सूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुस्कराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते हैं, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूराकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ. यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती है, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॉन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गई थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॉन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधार पर अलग हो गई और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा है। हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते हैं कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता. कुछ झीलों काफी डरावनी भी है. आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं. कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है इसे फुन्दुजी झील के नाम से जाना जाता है स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो काफी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.
कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है. इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करते हैं, जिसमें कुंवारी लड़कियां नाचती हैं. कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.
जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुई, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए वहां भेजा गया था. उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया. एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैंयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने खुद में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, परजिया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे है.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमे प्रकृति व जंगलो में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतो,जंगलो, वनो इत्यादि में निवास करती है जिन की भाषा अलग होती है जो भूत प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पौधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 %. जनजातीय अराध्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है अमुमन सभी जनजाती मांसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारो सालो से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है:

माड़िया जनजाति

माड़िया जनजाति बस्तर के जंगलो में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाको व जंगलो में निवास करती है. माड़िया जनजाति को दो भागो में बाटा गया है 1 अबुझ माड़िया 2 दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ माड़िया पहाड़ी के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नही करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करती है व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देती है. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माड़िया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारो ओर नृत्य करते है.माड़िया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ् इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदुए से भी लोहा लेने से नहीं कतराते यु तो माड़िया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की आराधना करते है.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलो में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वी शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थी व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थी.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओड़िया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगो ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का माँस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में मांओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमें इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.